http://amritkalashtimes.com

# अमृत कलश टाइम्स

वर्ष : 18
अंक : 125

प्रयागराज सोमवार 20 जनवरी 2025

पृष्ठः- 4, मूल्यः- एक रूपया

# मुख्यमंत्री योगी ने मोरारी बापू और चिंदानंद से की मुलाकात

● मौनी अमावस्या की तैयारियों का लिया जायजा

प्रयागराज,(एजेंसी)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ रविवार को महाकुंभ नगर में पहुंचे। उन्होंनेन 29 जनवरी को महाकुंभ में होने मौनी अमावस्या पर्व की तैयारियों का जायजा लिया। सीएम ने अरैल में स्थित परमार्थ आश्रम निकेतन में स्वामी चिदानंद सरस्वती और कथा वाचक मोरारी बापू समेत कई संतों से मुलाकात की। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ रविवार को महाकुंभ नगर में पहुंचे। उन्होंनेन 29 जनवरी को महाकुंभ में होने मौनी अमावस्या पर्व की तैयारियों का जायजा लिया। सीएम ने अरैल में स्थित परमार्थ आश्रम निकेतन में स्वामी चिदानंद सरस्वती और कथा वाचक मोरारी बापू समेत कई संतों से मुलाकात की। सीएम शंकराचार्य समेत अन्य संतों से मिलेंगे और आयोजन की बाबत सुझाव लेंगे। मुख्यमंत्री का हेलिकॉप्टर अरैल में अपराह्न करीब 12 बजे उतरा। वहां से परमार्थ निकेतन शिविर पहुंचे और स्वामी चिदानंद मुनि से मुलाकात की। इसके बाद पर्यटन प्रदर्शनी, ओडीओपी, वाक थ्रू गैलरी, पुलिस गैलरी, संविधान गैलरी का अवलोकन किया। इसके बाद आईसीसीसी में मौनी अमावस्या तथा कैबिनेट की बैठक की तैयारियों की समीक्षा करेंगे। मुख्यमंत्री सेक्टर नौ स्थित कार्षिणी आश्रम में स्वामी गुरुशरणानंद से भेंट, सेक्टर 17 में आचार्य बाड़ा के अध्यक्ष और मंत्री से मुलाकात करेंगे। इसके बाद मुख्यमंत्री सेक्टर 17 में ही स्वामी वासुदेवानंद सरस्वती, शंकराचार्य स्वामी निश्चलानंद सरस्वती, शंकराचार्य स्वामी सदानंद सरस्वती से मुलाकात करेंगे और मेला आयोजन की बाबत सुझाव लेंगे। इसके बाद करीब सवा पांच बजे वह बमरौली एयरपोर्ट से लखनऊ के लिए रवाना होंगे।

# 'महाकुंभ समरसता का प्रतीक'

● महाकुंभ एकता, समता और समरसता का संगम, युवाओं के जुड़ने से स्वर्णिम भविष्य सुनिश्चित, पीएम मोदी बोले

नयी दिल्ली,(एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने महाकुंभ को समरसता का प्रतीक करार देते हुए रविवार को कहा कि यह विविधता में एकता का उत्सव मनाता है।श्री मोदी ने आकाशवाणी पर अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम श्मन की बातश की 118वीं कड़ी में देशवासियों को संबोधित करते हुए कहा कि प्रयागराज में महाकुंभ का श्रीगणेश हो चुका है। यह चिरस्मरणीय जन–सैलाब, अकल्पनीय दृश्य और समता–समरसता का असाधारण संगम है। इस बार कुंभ में कई दिव्य योग भी बन रहे हैं। कुंभ का ये उत्सव विविधता में एकता का उत्सव मनाता है। संगम की रेती पर पूरे भारत समेत पूरे विश्व के लोग जुटते हैं। उन्होंने कहा, ष्हजारों वर्षों से चली आ रही इस परंपरा में कहीं भी कोई भेदभाव नहीं, जातिवाद नहीं।ष्उन्होंने कहा, ष्महाकुंभ में भारत के दक्षिण, पूर्व और पश्चिम से लोग आते हैं। कुंभ में गरीब–अमीर सब एक हो जाते हैं। सब लोग संगम में डुबकी लगाते हैं, एक साथ भंडारों में भोजन करते हैं, प्रसाद लेते हैं – तभी तो श्कुंभश एकता का महाकुंभ है।ष प्रधानमंत्री ने कहा कि कुंभ का आयोजन इसका संकेत है कि हमारी परम्पराएं पूरे भारत को एक सूत्र में बांधती हैं। उत्तर से दक्षिण तक मान्यताओं को मानने के तरीके एक जैसे ही हैं। एक तरफ प्रयागराज, उज्जैन, नासिक और हरिद्वार में कुंभ का आयोजन होता है वैसे ही,दक्षिण भू–भाग में गोदावरी, कृष्णा, नर्मदा और कावेरी नदी के तटों पर पुष्करम होते हैं। ये दोनों ही पर्व हमारी पवित्र नदियों से, उनकी मान्यताओं से जुड़े हुए हैं। इसी तरह कुंभकोणम से तिरुक्कड–यूर, कूड–वासल से तिरुचेरई अनेक ऐसे मंदिर हैं जिनकी परम्पराएं कुंभ से जुड़ी हुई हैं।श्री मोदी ने कहा कि कुंभ में युवाओं की भागीदारी बहुत व्यापक रूप में नजर आती है और जब युवा–पीढ़ी अपनी सभ्यता के साथ, गर्व के साथ जुड़ जाती है तो उसकी जड़ें और मजबूत होती हैं। इससे उसका स्वर्णिम भविष्य भी सुनिश्चित हो जाता है। उन्होंने कहा कि हम इस बार कुंभ के डिजिटल का प्रयोग भी बड़े पैमाने पर कर रहे है। कुंभ की ये वैश्विक लोकप्रियता हर भारतीय के लिए गर्व की बात है। श्री मोदी ने पश्चिम बंगाल में गंगासागर पर मकर संक्रांति मेले का उल्लेख करते हुए कहा कि संक्रांति के पावन अवसर पर इस मेले में पूरी दुनिया से आए लाखों श्रद्धालुओं ने डुबकी लगाई है। उन्होंने कहा, ष्कुंभश, श्पुष्करमश और श्गंगा सागर मेलाश हमारे ये पर्व, हमारे सामाजिक मेल–जोल को, सद्भाव को, एकता को बढ़ाने वाले पर्व हैं। ये पर्व भारत के लोगों को भारत की परंपराओं से जोड़ते हैं।

# केजरीवाल पर नहीं हुआ था किसी तरह का हमला: वर्मा

नयी दिल्ली,(एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता एवं नयी दिल्ली विधानसभा क्षेत्र से उम्मीदवार प्रवेश वर्मा ने दावा किया है कि आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल पर किसी तरह का हमला नहीं हुआ है बल्कि वह जनता से सवालों के बचने के लिए सभा स्थल से भाग गये थे।श्री वर्मा ने रविवार सुबह संवाददाताओं को संबोधित करते हुए कहा कि श्री केजरीवाल नयी दिल्ली विधानसभा क्षेत्र से चुनाव हार रहे हैं इसलिए उन्होंने हमले की झूठी कहानी रची है।

उन्होंने कहा कि 12 साल की विधायकी के बाद भी श्री केजरीवाल आज नयी दिल्ली विधानसभा क्षेत्र में जब प्रचार को जाते हैं तो वहाँ जनता सवाल पूछती है और सवालों का जवाब देने की बजाय वह भाग जाते हैं।उन्होंने कहा कि श्री केजरीवाल का चुनाव प्रचार पंजाब से आई राशि और कार्यकर्ताओं पर चल रहा है। उन्होंने कहा कि वह (श्री केजरीवाल) नहीं चाहते कि श्रीमती आतिशी, श्री मनीष सिसोदिया या श्री सौरभ भारद्वाज चुनाव जीते, इसलिए उन्हें चुनाव प्रचार से हटा कर सिर्फ संवाददादा सम्मेलन और बैठकों में उलझा कर रखते हैं। इस दौरान दिल्ली भाजपा के मीडिया प्रमुख प्रवीण शंकर कपूर, पार्टी प्रवक्ता डॉ. ममता त्यागी मौजूद थे। श्री कपूर ने कहा कि श्री वर्मा नयी दिल्ली विधानसभा से चुनाव जीत रहे हैं और दिल्ली में भाजपा की बड़ी जीत का कारक बन रहे हैं।

# नड्डा बोले–अंबेडकर ने नहीं, इंदिरा ने संविधान में सेकुलर–सोशलिजम जोड़ा

● उन्होंने इमरजेंसी लगाई, अखबारों के एडिटोरियल ब्लैंक हो गए

अहमदाबाद,(एजेंसी)। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा भाजपा के कार्यक्रम संविधान गौरव अभियान के लिए अहमदाबाद पहुंचे। यहां उन्होंने कार्यकर्ताओं से कहा– 75 साल की इस यात्रा में 65 साल कांग्रेस के नेताओं ने इस देश पर राज किया। लेकिन यहां आज मैं एक बात बताना चाहता हूं कि बाबा साहेब अंबेडकर द्वारा बनाया गया संविधान के साथ कांग्रेस ने खिलवाड़ किया। संसद में बिना पास कराए अनुच्छेद 35ए लागू कर दी। नड्डा ने कहा कि अंबेडकर ने कहा था कि सेक्युलर शब्द तो हमारे में है ही। क्योंकि हम लोगों ने सभी धर्मों को बराबर माना है, इसलिए सेक्युलर शब्द लगाने की आवश्यकता नहीं है, जो इस्लामिक स्टेट है, उन्हें यह शब्द संविधान में लगाने की जरूरत है। अंबेडकर ने सोशलिजम पर कहा कि किस किस्म की सरकार भारत को चाहिए, इसका फैसला जनता करेगी। इसलिए हम यह शब्द संविधान में नहीं लाएंगे, लेकिन इंदिरा ने सेक्युलर और सोशलिजम शब्द जोड़ा। इंदिरा ने ही इमरजेंसी लगाकर क्रूरता की। दरअसल, संसद के शीतकालीन सत्र में अमित शाह के अंबेडकर को दिए बयान की कांग्रेस ने आलोचना की थी। इसकी के जवाब में भाजपा ने संविधान गौरव अभियान शुरू किया। भाजपा के मुताबिक, इसका उद्देश्य जनता के बीच संविधान के बारे में चर्चा करना है। नड्डा बोले– इंदिरा गांधी की कुर्सी को खतरा था। इसलिए भारत में इमरजेंसी 25 जून को लगाई गई। इसमें फंडामेंटल राइट सस्पेंड कर दिए गए। अटल–आडवाणी, मोरारजी देसाई सब जेल में बंद हुए। हमारी विचारधारा से जुड़े हुए लोगों ने

इमरजेंसी और आजादी के लिए लड़ने में पूरी ताकत लगाई गई। स्टेट्समेन और इंडियन एक्सप्रेस के एडिटोरियल ब्लैंक हो गए। ऐसी क्रूरता इंदिरा गांधी ने सिर्फ अपने कुर्सी के लिए की। इंदिरा गांधी एक कानून लेकर आई थी, जिसमें प्राइम मिनिस्टर, प्रेसिडेंट और वाइस प्रेसिडेंट को ज्यूडिशियल रिव्यू से बाहर निकाल दिया। इसका मतलब इन लोगों पर कानूनी कार्रवाई नहीं होगी। कांग्रेस ने जम्मू–कश्मीर के लोगों को हर दृष्टि से उनके अधिकारों से हमेशा वंचित रखने का काम किया, लेकिन नरेन्द्र मोदी की ईच्छाशक्ति और अमित शाह की गणनीति ने धारा 370 को धाराशायी कर वंचितों को अधिकार प्रदान करने का काम किया।

# जमीन दे केंद्र, घर `आप' बनवाएगी, सफाई कर्मचारियों को लेकर केजरीवाल का पीएम को पत्र

नई दिल्ली,(एजेंसी)। केजरीवाल ने इस योजना के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि इस हाउसिंग स्कीम की शुरुआत एमसीडी और एनडीएमसी के सफाई कर्मचारियों से की जाए। इसके अंदर जमीन केंद्र सरकार दे और दिल्ली सरकार मकान बनवा देगी। अरविंद केजरीवाल ने प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर रियायती दरों पर जमीन देने का अनुरोध किया है। दिल्ली के सभी सफाई कर्मचारियों एवं अन्य सभी सरकारी कर्मचारियों के लिए अरविंद केजरीवाल ने बड़ा एलान किया है। केजरीवाल ने कहा कि अगर केंद्र सरकार सब्सिडी पर जमीन उपलब्ध कराए तो आप सरकार उस पर मकान बनवाएगी। आसान किस्तों में सफाई कर्मचारियों को मालिकाना हक देगी। उन्होंने कहा, शदिल्ली के अंदर सरकारी कर्मचारियों के लिए मकान बनवाएगी सरकार, इन्हें आसान किश्तों पर खरीदा जा सकेगा। इस कल्याणकारी योजना की शुरुआत सफाई कर्मचारियों से होगी। इसके लिए केंद्र सरकार को सब्सिडी पर जमीन देने के लिए पीएम मोदी को पत्र लिखा है। केजरीवाल ने इस योजना के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि इस हाउसिंग स्कीम की शुरुआत एमसीडी और एनडीएमसी के सफाई कर्मचारियों से की जाए। इसके अंदर जमीन केंद्र सरकार दे और दिल्ली सरकार मकान बनवा देगी। नौकरी के दौरान ही सफाई कर्मचारी किश्तों में घर खरीद सकेंगे और रिटायर होने के बाद वह इसमें शिफ्ट हो सकेंगे।

# कितनी बदली दिल्ली की सियासत?

● 1993 में बीजेपी को बहुमत, 2013 तक कांग्रेस का कब्जा, 10 साल से 'आप' का राज

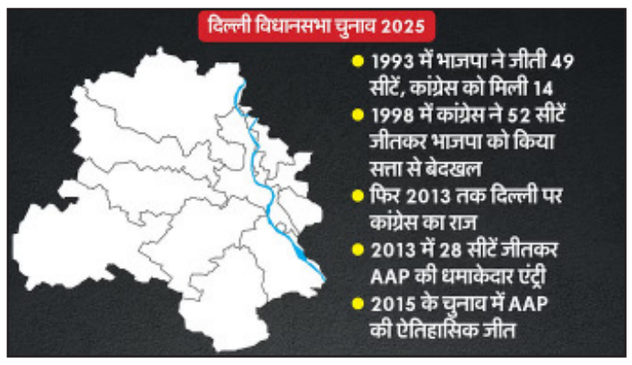


नई दिल्ली,(एजेंसी)। 2013 में आप संयोजक अरविंद केजरीवाल की अगुआई में आप ने पहली बार चुनाव लड़ा और 28 सीटें जीतकर धमाकेदार एंट्री की थी। भाजपा 31 सीटों के साथ सबसे बड़ा दल तो रहा, लेकिन बहुमत से दूर। बीते तीन दशकों में दिल्ली की राजनीति में बदलाव देखने को मिला। वर्ष 1993 में विधानसभा चुनावों की शुरुआत के बाद अधिकांश बार दिल्ली में पूर्ण बहुमत की सरकार बनी। लेकिन अन्ना आंदोलन के बाद बनी आम आदमी पार्टी (आप) के चुनाव में आने से 2013 का चुनाव अपवाद साबित हुआ था। उस समय किसी भी दल को स्पष्ट बहुमत नहीं मिला था। इसे छोड़ दें तो हर चुनाव में दिल्ली की जनता ने स्पष्ट जनादेश दिया।हर चुनाव में पूर्ण बहुमत देना यह दर्शाता है कि राजधानी की जनता स्थिर सरकार चाहती है। आंकड़ों पर गौर करें तो 1993 में भाजपा और 1998 से 2008 तक कांग्रेस की पूर्ण बहुमत की सरकार रही। 2015 और 2020 में आप ने दिल्ली की सियासत में एकछत्र राज किया। 1993 से 2008 के बीच हुए विधानसभा चुनाव के दौरान भाजपा और कांग्रेस के बीच सीधी टक्कर होती थी। 1993 में दिल्ली में हुए विधानसभा चुनाव में भाजपा ने 49 सीटें जीतकर सरकार बनाई थी। कांग्रेस को 14 सीटें मिलीं, जबकि अन्य दल और निर्दलीय सात सीटों पर काबिज हुए। 1998 से 2008 तक का समय कांग्रेस के लिए स्वर्णिम युग था। 1998 के चुनावों में कांग्रेस ने 52 सीटें जीतकर भाजपा को सत्ता से बेदखल कर दिया। भाजपा केवल 17 सीटों पर सिमट गई। 2003 के चुनाव में कांग्रेस ने 47 सीटों पर जीत हासिल की और लगातार दूसरी बार शीला दीक्षित मुख्यमंत्री बनीं। 2008 में कांग्रेस ने 43 सीटें जीतकर अपनी सत्ता बरकरार रखी। भाजपा ने जीतीं थीं 31 सीटें 2013 में आप संयोजक अरविंद केजरीवाल की अगुआई में आप ने पहली बार चुनाव लड़ा और 28 सीटें जीतकर धमाकेदार एंट्री की थी। भाजपा 31 सीटों के साथ सबसे बड़ा दल तो रहा, लेकिन बहुमत से दूर। जनता दल यूनाइटेड (जेडीयू) और शिरोमणि अकाली दल (एसएडी), निर्दलीय को एक–एक सीट मिली थी। कांग्रेस मात्र आठ सीटों पर सिमट गई थी। इस त्रिशंकु स्थिति में आप ने कांग्रेस के समर्थन से सरकार बनाई थी।

# `मर्द पियक्कड़ होते हैं, जो शेरनी का दूध पीएगा वो मेरे जैसा दहाड़ेंगे'

तिरहुत–मुजफ्फरपुर,(एजेंसी)। मंत्री रत्नेश सदा ने कहा कि दलित, महादलित और अतिपिछड़ा वर्ग की महिलाओं से अपील करने आया हूं कि आप अपने बच्चे को शिक्षा रूपी दूध पिलाने का काम करे। बिहार की सरकार ने मद्य निषेध विभाग के मंत्री रत्नेश सदा ने कहा कि बिहार में शराबबंदी का कानून लागू है। इसको हम सब सख्त नियम के साथ पालन भी करवा रहे हैं। लेकिन, अभी भी कुछ लोग है जो चोरी छिपे हुए शराब को पीते हैं यह खत्म नहीं होना वाला है। जैसे, हत्या अपराध करने वाले लोग यह जानते हुए कि उनके ऊपर में 302 के तहत मामला दर्ज हो सकता है। वह जेल जा सकते हैं। आजीवन उन्हें कारावास हो सकता है। उसके बाद भी घटना करते हैं। उसी तरह से कुछ लोग शराब पीते हैं और जेल जाने का काम करते हैं। मंत्री रत्नेश सदा ने कहा कि समाज खासकर दलित महादलित और अतिपिछड़ा वर्ग की महिलाओं से मैं अपील करने आया हूं कि आप अपने बच्चे को शिक्षा रूपी दूध पिलाने का काम करे।ताकि आपका बच्चा रत्नेश सदा की तरह बिहार में घूम–घूमकर दहाड़े और शिक्षा की अलख को जलाने का काम करें।उत्पाद विभाग की ओर से किए गए जन जागरूकता अभियान के कार्यक्रम के दौरान में जिला के बोचहा प्रखंड में पहुंचे मंत्री रत्नेश सदा ने महादलित परिवार के बीच पहुंचे। आयोजित जन जागरूकता अभियान के कार्यक्रम के दौरान महिलाओं को संबोधित किया है। और कहा कि आप लोग ही समाज को सुधार सकते हैं। कानून का अपना काम है जो करती रहेगी। आज बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर का काम पूरा होता हुए दिख रहा है। उन्होंने शिक्षा के लिए कितना कुछ किया। आज हर महिला अगर अपने बच्चे को शेरनी बन कर शिक्षा रूपी दूध को पिलाने का काम करेंगे तो उनका समाज दहाड़ेंगे और आज उसका जीता जागता उदाहरण है।

# लालू से तो मिले राहुल गांधी, मगर तेजस्वी यादव को देते गए झटका

● क्या अब महागठबंधन की रणनीति बदलेगी?

पटना,(एजेंसी)। चुनावी साल है। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी बिहार का दौरा कर लौट गए हैं। आए तो राजद अध्यक्ष लालू प्रसाद से मिलने भी गए। लेकिन, इसके पहले वह तेजस्वी यादव के एक दावे की हवा निकालते गए हैं। बिहार में सीटें भी जातीय जनगणना के आधार पर बंटेगी, जिसे राहुल गांधी ने बताया फर्जी लोकसभा के बाद अब विधानसभा चुनाव में भी तेजस्वी लेने वाले थे जातीय जनगणना का क्रेडिट राहुल गांधी ने जातीय जनगणना को बताया फर्जीयक्या बदलेंगे तेजस्वी यादव अपना एजेंडा? चुनावी साल में मीडिया को दिए पहले इंटरव्यू में भी तेजस्वी यादव ने जनगणना का लिया था क्रेडिट बिहार विधानसभा चुनाव समय पर होगा, यह पक्का है। सत्ता और विपक्ष– अब दोनों ने इसकी पुष्टि कर दी है। विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव ने कह दिया है– श्अब कोई खेला नहीं होगा।श मतलब, तेजस्वी यादव चुनावी रण में उतरने की तैयारी में जुट गए हैं। वह यह भी कह चुके हैं कि लोकसभा चुनाव के पहले विपक्षी दलों का बना गठबंधन– इंडिया अब अस्तित्व में नहीं है। बिहार में महागठबंधन एक है। यह सारी बातें समझ में आ रही हैं, लेकिन चुनावी साल में पहली बार बिहार आए लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी कुछ ऐसा बोल गए हैं कि महागठबंधन के अंदर संशय की स्थिति हो गई है। तेजस्वी यादव जिसे चुनाव में भुनाने वाले थे, उस एक बड़े मुद्दे पर राहुल गांधी ने कांग्रेस की अलग राय रख दी। राहुल जिसे फर्जी बता गए, उसे राजद चुनावी एजेंडे में रख रहा था महागठबंधन के सबसे मजबूत दल– राष्ट्रीय जनता दल ने लोकसभा चुनाव 2024 के दौरान बिहार में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठंधन के खिलाफ मोर्चा ले रखा था। लोकसभा चुनाव के दौरान तेजस्वी यादव बार–बार यह कह रहे थे कि वह मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के साथ गए तो बिहार में जातीय जनगणना हो सकी। वह बिहार के जातीय जनगणना को लगातार अपने एजेंडे में रख रहे हैं।

# सम्पादकीय

## एल एंड टी को भारी पड़ेगी सुब्रमण्यन की भद्दी टिप्पणी

लार्सन एंड टूब्रो यानी एल एंड टी के अध्यक्ष और 60 वर्षीय प्रबंध निदेशक एसएन सुब्रमण्यन, जिन्हें कंपनी में एसएनएस के नाम से जाना जाता है, के एक बयान ने हंगामा खड़ा कर दिया है। वे तड़क–भड़क जिंदगी जीने और हेडलाइन आकर्षित करने वाले सीईओ के रूप में मशहूर नहीं हैं, जिस जीवनशैली के लिए कुछ अपस्टार्ट सीईओ मशहूर हैं। एसएनएस एक ऐसे समूह की अध्यक्षता करते हैं जिसका 80 वर्षों का गौरवशाली इतिहास है। इसमें 50 देशों में 50 हजार से अधिक लोग काम कर रहे हैं और जिसका 2024 में 2.2 लाख करोड़ रुपये से अधिक का वार्षिक कारोबार है। यह लगभग अविश्वसनीय है कि इतना वरिष्ठ नेता इस तरह की टिप्पणी करेगा कि– श्अगर उसका बस चला तो वह कर्मचारियों को रविवार को काम पर ले जाएगा क्योंकि दूसरा विकल्प, उनके शब्दों में, घर पर बैठना और अपनी पत्नी को घूरना है।श यह बात उन्होंने जिस वीडियो में कही है वह लीक हो गया हैय पर ऐसा कौन करना चाहेगा? एल एंड टी की सफलता की कहानी में कई महिलाओं का योगदान है जो गर्व की बात है और इससे एसएनएस बहुत बुरी तरह से एक्सपोज हो गए। दीपिका पादुकोण ने सही कहा है–इस बयान पर लीपापोती करने हड़बड़ी ने इसे और भी बदतर बना दिया। एसएनएस की टिप्पणी में महिलाओं के प्रति व्यक्त अनादर के लिए माफी तो नहीं मांगी गई लेकिन इस बयान में शामिल सप्ताह में 90 घंटे काम करने के नुस्खे को हाईलाईट करते हुए बाद में इसे राष्ट्र निर्माण के आह्वान के रूप में समझाने का प्रयास किया गया जो उनकी टिप्पणियों के कपटपूर्ण होने की ओर इशारा करता है। क्या एसएनएस की इस टिप्पणी में आईटी क्षेत्र के दिग्गज एनआर नारायण मूर्ति (भारतीय ट्रेड यूनियनों के शब्दों में श्शैतानीश) जैसे आईटी लीडर के 70 घंटे के सप्ताह की मांग करने वाले अप्रिय आह्वान का समर्थन छिपा थाय या वे उनसे कुछ बेहतर कर दिखाने की इच्छा रखते हैं? एल एंड टी द्वारा दिया गया स्पष्टीकरण लोगों के लिए केवल यह निष्कर्ष निकालने की अधिक संभावना बनाता है कि यह टिप्पणी बिला वजह नहीं हो सकती थी। अगर हम इस दृष्टिकोण को मान्यता देते हैं कि एसएनएस इस प्रकार के घुमावदार बयानों के लिए जाने जाते हैं और वास्तव में इसका वह मतलब नहीं है जो निकाला गया है, तो भी ऐसे बड़े मुद्दे हैं जो सामने आते हैं तो भारत में सीईओ उनसे हाथ झटक लेते हैं। जो मामले अब प्रकाश में आते हैं और बहुत से प्रकरणों की एक छोटी सी झलक पेश करते हैं, वे बताते हैं कि भारतीय कॉरपोरेट क्षेत्र में कुछ गलत चल रहा है। यह बयान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के इस सप्ताह के अंत में श्विकसित भारत युवा नेता संवाद 2025श्य में दिए भाषण का समर्थन देने के लिए नहीं है कि श्भारत की युवा शक्ति भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाएगीश्य। ये सीईओ ऐसा सोच सकते हैं कि राजनीतिक नेतृत्व यह सोचे कि वे सरकार की धुन में गा रहे हैं, लेकिन यह राजनीतिक नेतृत्व के हित में है कि वे इस तरह के ढोंग से सावधान रहे। कर्मचारियों और सामान्य तौर पर जेनरेशन जूमर (संक्षिप्त में जेनजेड– वह पीढ़ी जो 1995 से 2010 के बीच जन्मी है) के बीच मूर्ति और अब एसएनएस के लिए तिरस्कार को सुना, देखा तथा विश्वास किया जाना है। सवाल यह है कि इस महत्वपूर्ण परिवर्तन को कौन मापेगा? अन्य मुद्दों पर भी चर्चा की जानी चाहिए ताकि न केवल एसएनएस बल्कि सभी सीएक्सओ को उचित रूप से कायदे में रखा जाए और जहां जरूरी हो वहां मजबूत नियामक उपाय किए जाएं। उल्लेखनीय है कि एसएनएस को वित्त वर्ष 2023–24 के लिए कुल पारिश्रमिक के रूप में 51.05 करोड़ रुपये का भुगतान किया गया था जो एल एंड टी में औसत पारिश्रमिक का 534.57 गुना है। यह पिछले साल उन्हें किए गए भुगतान की तुलना में 43.11 प्रतिशत अधिक है। यह पारिश्रमिक सभी कर्मचारियों में सबसे अधिक है। यह वेतन एल एंड टी में दूसरे सबसे अधिक वेतन वाले कर्मचारी तथा कंपनी के अध्यक्ष व सीएफओ आर. शंकर रमन की तुलना में 40 फीसदी ज्यादा है। उनकी टिप्पणी पर एसएनएस के वेतन का औसतन 500 सौवां हिस्सा पाने वाले कर्मचारियों की कैसी प्रतिक्रिया रहेगी? इस संदर्भ में विकसित भारत के एजेंडे में पहला मुद्दा सीएक्सओ द्वारा स्वयं भुगतान की जाने वाली वेतन राशि पर एक सीमा लगाना होना चाहिए। कभी भी सुरक्षा रेलिंग या इन औपचारिकताओं की परवाह नहीं करनी चाहिए कि अपना वेतन वे स्वयं तय नहीं करते बल्कि कम्पनी का बोर्ड करता है। भारतीय संदर्भ में इन औपचारिकताओं ने पर्याप्त रूप से काम नहीं किया है क्योंकि हमारी कंपनियों के बोर्ड अक्सर अपने आप में लचीले होते हैं और अपने हितों को ध्यान में रखते हुए चोर–चोर मौसेरे भाई की तरह काम करते हैं। कुछ चुनिंदा लोग ही खुद को उस सीट पर रखते हैं। ध्यान दें कि डेलॉयट रिपोर्ट के अनुसार एल एंड टी संस्थापकों, स्वर्गीय हेनिंग होल्क–लार्सन और सोरेन टूब्रो के गृह देश डेनमार्क की विकसित अर्थव्यवस्था में कार्यकारी निदेशकों का परिवर्तनीय पारिश्रमिक निर्धारित का औसतन 37 फीसदी शामिल है। एल एंड टी सीएमडी के मामले में यह 980 प्रतिशत है (2024 के लिए एल एंड टी की रिपोर्ट के अनुसार– 3.6 करोड़ रुपये का वेतन, 35.28 करोड़ रुपये का कमीशन)। इन पैकेजों के बारे में शिकायत किए बिना क्या यह दावा किया जा सकता है कि जिस आधार पर आमतौर पर नेतृत्व के कमीशन की गणना की जाती है क्या उसके कारण समूह का प्रदर्शन इतना बेहतर हुआ है? विशेषकर यह देखते हुए कि एसएनएस की टिप्पणी के कारण कई प्रतिभाशाली उम्मीदवार अब कंपनी में शामिल होने के बारे में दो बार सोचेंगे तथा इस नुकसान की गणना एल एंड टी कैसे करता है? अगला महत्वपूर्ण सवाल जो सामने आता है वह है भारत के कॉरपोरेट्स में असहमति का पूर्ण अभाव। स्थिरता की भाषा, नवीनता की अपील तथा विविधता, समानता और समावेश (डीईआई–डायवर्सिटी, इक्विटी एंड इनक्लूजन) की नीतियों का दावा ये सभी खोखले हो जाते हैं जब यह स्पष्ट होता है कि भारतीय कॉरपोरेट्स में कोई भी, जिसमें सबसे बड़े और तथाकथित सर्वश्रेष्ठ शामिल हैं, बॉस को चुनौती नहीं देते हैं। क्यों? इसका सरल जवाब यह है कि प्रश्न नहीं पूछे जाते हैं क्योंकि प्रश्नों को प्रोत्साहित नहीं किया जाता है। एक ऐसी संस्कृति का निर्माण किया जाता है जहां पदानुक्रम का राज होता है, जहां बॉस को हमेशा सही माना जाता है और रचनात्मकता अपनी परिभाषा के अनुरूप लगभग पनप नहीं सकती है। एल एंड टी के आंतरिक पतन को इस तथ्य से देखा जाता है कि दिनांकरहित इस वीडियो में किसी ने भी एसएनएस को चुनौती नहीं दी जो अब एल एंड टी के दुख का कारण बन गया है। समस्या यह नहीं है कि वीडियो लीक हो गया है। समस्या यह है कि एसएनएस से यह नहीं पूछा गया कि वह ऐसा बयान कैसे दे सकता है। जैसा कि हमारे सीईओ अक्सर करते हैं, इस क्षण के लिए उनकी मुश्किल टल गई है , केवल बाहर की दुनिया अभी उनकी खिंचाई कर रही है। भारत को नई पीढ़ी के लीडर्स की शक्ति और सोच का उपयोग करने के लिए पुराने लोगों को अधिक सवालों के साथ जीना सीखना होगा। वे इस मुगालते में न रहें कि वे ही सही हैं। उन्हें इस गहरे एहसास के साथ यह भी समझना होगा कि वे उतने असाधारण नहीं हैं जितना वे खुद के बारे में सोचते हैं।

# नर्मदा की जोड़ने वाली मेला संस्कृति

**बाबा मायाराम**

हाल ही में नर्मदा नदी के किनारे सांडिया में मकर संक्रांति का मेला लगा। इसी तरह नर्मदा के किनारे जगह–जगह मेले लगते हैं। मुझे नर्मदा के किनारे रहने के कारण बार–बार नर्मदा के दर्शन हुए हैं। बचपन से ही मैं नर्मदा मेलों में जाता रहा हूं, आज नर्मदा की मेला संस्कृति पर यह कॉलम है, जिससे हम यह समझ सकें कि नर्मदा सिर्फ नदी ही नहीं है, जनसाधारण श्रद्धालुओं के लिए नर्मदा मैया है, यानी मां है, जीवनदायिनी है। मैं नर्मदा के किनारे मध्यप्रदेश के पूर्वी छोर पर एक कस्बे में रहता हूं। यहां हम पूर्णिमा के दो–तीन पहले से ही सरै भरते ( साष्टांग लेटकर नर्मदा तक जाना ) हुए श्रद्धालुओं को देखते हैं। वे दूर–दूर से आते हैं। एक दिन पहले तो रात भर हर–हर नर्मदे का जयकारा करते हुए नर्मदा जाने वालों का तांता लगा रहता है। पैदल, साइकिल, मोटर साइकिल, ट्रेक्टर–ट्राली और चार पहिया वाहनों से जनधारा नर्मदा की ओर बहती रहती है। पिपरिया से सांडिया की दूरी करीब 20 किलोमीटर है। नर्मदा अमरकंटक से उद्गमित होकर इसी इलाके से होकर गुजरती है। मैं कई बार इन मेलों में जाता रहा हूं। यह मेले उत्साह से भर देते हैं। मेलों का उद्देश्य भी यही रहा है। नर्मदा, अमरकंटक से उद्गमित होकर मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र से होते हुए गुजरात में जाकर खम्बात की खाड़ी में मिलती है। इस दौरान वह करीब 13 सौ किलोमीटर की दूरी तय करती है। इस बीच इसमें कई सहायक नदियां मिलती है, जो इसे सदानीरा बनाती रही हैं। इसके किनारे कई प्रसिद्ध मंदिर व धर्मशालाएं हैं। जलप्रपात व कई दर्शनीय स्थल हैं। कई पुरातात्विक महत्व के अवशेष भी मिले हैं।नर्मदा की श्रद्धालु परकम्मा ( परिक्रमा) करते हैं। पहले पैदल करते थे, अब भी कुछ करते हैं, लेकिन अब पैदल के साथ बस व रेल से भी करने लगे हैं। परकम्मा के नियम होते हैं। जबलपुर के प्रसिद्ध चित्रकार अमृतलाल वेगड़ ने परकम्मा की थी, और यात्रा वृत्तांत पर तीन किताबें भी लिखी हैं, जो काफी चर्चित रही। मैंने स्वयं वेगड़ जी से मिलकर नर्मदा परकम्मा के अनुभव सुने हैं। इसी प्रकार कुछ विदेशी श्रद्धालुओं ने भी नर्मदा पर किताबें लिखी हैं। मेला शब्द की व्युत्पत्ति मिल हुई है। यानी मिलना, देखना, साक्षात्कार करना। इसमें मेल–मिलाप करते हैं। चूंकि पहले बाजार दूरदराज हुआ करते थे और निश्चित दिन बाजार लगते थे। इसलिए मेले में बाजार लगता था। कुछ बुजुर्ग लोगों का कहना है कि हम यहां से सभी गृहस्थी का सामान ले जाते थे। मेले में मनोरंजन भी होता था। नाटक, नौटंकी, रामलीला, झूले आदि से मनोरंजन होता था। लेकिन अब बाजार लोगों के घर तक पहुंच गया है। अब पहले की अपेक्षा कम खरीदारी होती है। चूंकि ग्रामीण जनजीवन की गति धीमी होती है। इसलिए मेले व उत्सव उनमें उत्साह का संचार कर देते हैं। मेलों के लिए लोग काफी तैयारी करते हैं। नए कपड़े पहनते हैं। धारउअल (संभालकर रखे हुए) कपड़े निकालते हैं। खासतौर से महिलाओं व बच्चों में ज्यादा उत्साह रहता है, क्योंकि उन्हें घर गांव से निकलने का मौका कम मिलता है। मेले में बड़ी संख्या में युवा घूमते दिख जाते हैं। वे झूले झूलते व दुकानों पर अपने मन पसंद सामान खरीदते देखे जा सकते हैं। यहां कई तरह की घरेलू चीजें मिलती हैं। अगर मैं बचपन को याद करूं, तो मेले में बैलगाड़ी से जाया करते थे। मेले के लिए बैलों की साज–सज्जा देखते ही बनती है। उन्हें नहलाना, रंगना और मुछेड़ी (रंग–बिरंगी रस्सियां बांधना) बांधना, यह सब मेले की तैयारी का हिस्सा हुआ करते थे। हालांकि अब बैलगाड़ी नहीं के बराबर होती हैं। लेकिन याद ऐसी ताजी है जैसी कल की ही बात हो। बचपन से ही मैं परिवार के साथ बैलगाड़ी से नर्मदा जाया करता था। छोटी बैलगाड़ी को बग्घी कहते थे। उसमें तीन–चार लोग ही बैठते थे। बैलगाड़ी के चक्के के ऊपर की पात चमकती थी। रास्ता कच्चा होता था। उसे गड़वाट कहते थे। गड़वाट यानी जो बैलगाड़ी के आने–जाने से स्वतरू ही बन जाती है। बैल तेजी से दौड़ते थे। धूल उड़ती जाती थी। रास्ते में हरे–भरे खेत पड़ते थे। ज्वार व अरहर के पौधों से हमसे टकरा जाते थे। नरम–नरम हथेली से स्पर्श करना, इन पौधों को बहुत अच्छा लगता था। चक्कों की चूं–चर्र आवाज और बैलों के गले में बंधे घुंघरू मिलकर संगीतमय वातावरण बनाते थे। मन उमंग से भरा होता था। हम मेले में दो–तीन दिन रुकते थे। पेड़ के नीचे हमारा डेरा होता था। बैलों को यही बांध देते थे। उनके चरने के लिए धान का पुआल घर से ही बैलगाड़ी में धरके लाया जाता था। ठंड के लिए उन्हें टाट के बोरों से ढंक दिया जाता था, जिससे उन्हें ठंड न लगे। नर्मदा के किनारे विशाल इमली के पेड़ हुआ करते थे। कई बच्चे इन इमली की शाखों से झूलते रहते थे। सामने नर्मदा का विशाल घाट होता था और मेले की भीड़भाड़। घाट ऊपर से लोग छोटे–छोटे दिखते थे। मेले में सर्कस और रामलीला आकर्षण का केन्द्र हुआ करते थे। माइक पर गीत पुराने सिनेमा गीत व धार्मिक भजन बजते रहते थे। नर्मदा की नरम–नरम रेत पर पैदल चलना अच्छा लगता था। मेले में भारी भीड़ होती थी। इधर से उधर लोग घूमते रहते थे। परकम्मावासियों की हर–हर नर्मदे की आवाजें ध्यान खींचती थी। महिलाएं और बच्चे बड़ी संख्या में आते थे। मिठाईयों की दूकानें सजी होती थीं। भुने चने, मूंगफली, सिंघाड़े इत्यादि भी बिकते थे। रात में नौटंकी और नाटक होते थे। सर्कस भी बहुत बड़ा आकर्षण होता था। झूले व हिड़ोलना भी बच्चों के लिए होते ही थे। यहां तरह के करतब दिखाने वाले भी आते थे। नर्मदा में बड़े झादे (नाव) चलते थे जिन पर लोग तो बैठते थे, साइकिलें, मोटर साइकिलें व गाय–बैल भी बिठा लेते थे। मेले में विविध रुचि व जरूरत वाले लोग भी आते हैं। पुण्य स्नान तो है ही, साथ ही खरीदने, बेचने, घूमने, फिरने व मनोरंजन के लिए भी लोग आते हैं। यहां गांव, शहर व अलग–अलग व समूहों में लोग आते हैं। अब बैलगाड़ी की जगह ट्रेक्टर व आटो रिक्शा से लोग आते हैं। टोलियों में लोग नर्मदा मैया के जयकारा करने के साथ झंडे हाथों में लिए आते हैं। बच्चों के लिए आकर्षण खिलौने व मिठाईयां हुआ करती हैं। पुंगी, फिरकनी, बांसुरी, गुब्बारे और गेंद इत्यादि। महिलाएं यहां रसोई में काम आने वाली कई चीजें खरीदते देखी जा सकती हैं– जैसे झारा, कढाई, बेलन, थालियां, कटोरी इत्यादि। इसके अलावा, यहां भोजन में दाल बाटी, और बैगन का भर्ता भी काफी प्रसिद्ध है। इसे बनाना सरल भी है। आजकल जगह–जगह भंडारे भी होते हैं, जिनमें बड़ी संख्या में लोग भोजन करते हैं। कुल मिलाकर, इन मेलों में प्रेम और भाईचारा दिखाई देता है। यह हमारी जमीन से जुड़ी देसी मेला संस्कृति है, जो एक दूसरे को जोड़ती है। एक दूसरे से बतियाने व मिलने का मौका देती है। संस्कृतियों के आदान–प्रदान का मौका देती है। मेला संस्कृति हमें सामूहिकता का भाव देती है। और उन अच्छी परंपराओं से जोड़ती है, जो हमें खुद से परे लोगों से मिलाती है। जिस तरह छोटी नदियां नर्मदा में आकर एक हो जाती हैं, उसी तरह जनसाधारण भी मेलों में आकर नर्मदा की शरण में आकर एक हो जाते हैं। यह संस्कृति आज की दिखावे और तामझाम की संस्कृति से दूर ठेठ ग्रामीण देसी मिट्टी की उपज है, जो सालों से विकसित हुई है। लेकिन ये नदियां कई कारणों से पहले से कमजोर भी हो रही हैं, प्रदूषित भी हो रही हैं, जलवायु बदलाव की मार भी झेल रही हैं। क्या हम इन्हें बचाने और मेला संस्कृति को कायम रखने के लिए दिशा में सचमुच कुछ करने को तैयार हैं?

# ट्रम्प ने शांतिवादियों और उदारवादियों को किया हैरान

**नित्य चक्रवर्ती**

20 जनवरी को अमेरिका के राष्ट्रपति के रूप में डोनाल्ड ट्रम्प के शपथ ग्रहण से ठीक पांच दिन पहले इजराइल और हमास के बीच गाजा पर घोषणा ने शांति आंदोलन के कई नेताओं और वामपंथी उदार राजनीतिक विश्लेषकों को भी हैरान कर दिया है कि इस कट्टर दक्षिणपंथी रिपब्लिकन की नीतियों का सही तरीके से आकलन कैसे किया जाये।डेमोक्रेटिक राष्ट्रपति जो बाइडेन 7 अक्टूबर, 2023 को हमास–इजराइल युद्ध शुरू होने के बाद से पिछले पंद्रह महीनों में जो हासिल नहीं कर सके, ट्रम्प ने पिछले साल 4 नवंबर को अमेरिकी राष्ट्रपति के रूप में अपने चुनाव के कुछ ही हफ्तों बाद इसे हासिल कर लिया। उन्होंने औपचारिक रूप से सत्ता संभालने से पहले यह काम किया। इजरायल–फिलिस्तीन युद्ध में अब तक 1200 से ज़्यादा इजरायली मारे जा चुके हैं, जबकि फिलिस्तीनियों की संख्या 46,000 के आसपास है, जिसमें ज़्यादातर महिलाएं और बच्चे शामिल हैं। राष्ट्रपति बाइडेन ने इजरायल की मदद करना जारी रखा और हाल के हफ्तों में डेमोक्रेटिक प्रशासन के प्रयासों के बावजूद, कुछ भी ठोस नहीं निकला। इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू नरसंहार जारी रखने के लिए दृढ़ थे और उन्हें इजरायली रक्षा बलों का पुरजोर समर्थन प्राप्त था, जो गाजा से हर एक फिलिस्तीनी को बाहर निकालने की बात कर रहे थे। लेकिन नवंबर के चुनावों के बाद परिदृश्य बदल गया जब ट्रम्प ने मध्य पूर्व में युद्ध को समाप्त करने की पहल की। पांच दिन पहले ट्रम्प के सलाहकारों ने नेतन्याहू के खिलाफ अंतिम आक्रमण शुरू किया ताकि ट्रम्प के आधिकारिक रूप से कार्यभार संभालने से कुछ दिन पहले उन्हें युद्धविराम के लिए सहमत होने के लिए मजबूर किया जा सके। पिछले शुक्रवार को मध्य पूर्व में ट्रम्प के विशेष दूत स्टीवन विटकॉफ ने दोहा से नेतन्याहू को फोन किया और इजरायली पीएम से कहा कि वह शनिवार की सुबह उनसे मिलेंगे। शब्बत चल रहा था। यहूदी आमतौर पर इस पवित्र अवधि के दौरान आराम करते हैं। प्रधानमंत्री कार्यालय ने उन्हें बताया कि अमेरिकी दूत कुछ दिनों के बाद प्रधानमंत्री से मिल सकते हैं, लेकिन विटकॉफ ने कहा कि वे सुबह पहुंचेंगे और नेतन्याहू को ख्ुद को तैयार रहना चाहिए।बैठक के बाद इजरायली मीडिया ने बताया कि विटकॉफ ने नेतन्याहू को अल्टीमेटम दिया और कहा कि अगर इजरायल भविष्य में ट्रंप का समर्थन चाहता है, तो उसे ट्रंप के शपथ ग्रहण से कुछ दिन पहले ही युद्धविराम के मसौदे पर जल्द से जल्द सहमत हो जाना चाहिए। ट्रंप चाहते हैं कि इसकी घोषणा अगले सप्ताह की जाये। नेतन्याहू हिचकिचा रहे थे, लेकिन वे समझ गये थे कि कोई विकल्प नहीं है, उन्हें सहमत होना ही था। इस सप्ताह दैनिक समाचार पत्र येदिओथअहरोनोथ में लिखते हुए, एक शीर्ष इजरायली टिप्पणीकार ने इजरायल के प्रधानमंत्री और उनके करीबी सहयोगियों के सामने आने वाली स्थिति का सारांश दिया। श्नेतन्याहू ... अचानक यह समझ गये कि वे नये अमेरिकी राष्ट्रपति के साथ कहां खड़े हैं। उन्हें एहसास हुआ कि ट्रंप हुक्म चलाने की गति से बोलते हैं, और वे कभी भी उन्हें दाईं ओर से मात नहीं दे पायेंगे। ट्रंप, एक बार फिर, एक सौदा चाहते हैं। ट्रंप ने बुधवार को ही सोशल मीडिया पर अपनी टिप्पणी देकर इस डील का श्रेय लिया। बाइडेन सरकार इस सप्ताह भी विदेश मंत्री एंटनीब्लिंकन के साथ मिस्र, तुर्की और कतर के साथ युद्धविराम के फॉर्मूले पर चर्चा कर रही थीं। लेकिन बंधकों की क्रमिक रिहाई और छह महीने के युद्धविराम पर हुए युद्धविराम समझौते में कुछ ऐसे बिंदु थे, जिनसे नेतन्याहू सहमत नहीं थे। शनिवार को ट्रंप के दूत के साथ हुई बैठक में यह सब तय हो गया, क्योंकि यह एकतरफा था। नेतन्याहू को बोलने का समय नहीं मिल पाया। ट्रंप ने अपनी तानाशाही पद्धति अपनाई, लेकिन यह कारगर साबित हुई और यहीं ट्रंप के इस सिद्धांत की सार्थकता है। इससे युद्ध की समाप्ति हो सकती थी या इससे कहीं बड़ी लड़ाई हो सकती थी। लेकिन फिलहाल गाजा में युद्ध को फिलहाल खत्म करने का काम हो चुका है। ट्रंप ने इसे सुगम बनाया है, जिसे बाइडेन नहीं कर सके। खास बात यह है कि राष्ट्रपति जो बाइडेन ने अमेरिकी श्रमिकों के लिए कई कल्याणकारी कदम उठाये हैं, जिसमें कुछ उद्योगों में यूनियन बनाने का अधिकार शामिल है, जहां पहले इसकी अनुमति नहीं थी। लेकिन वे विदेश नीति में विफल रहे। उन्होंने इजरायल और यूक्रेन दोनों का समर्थन किया और दोनों को हथियार आपूर्ति जारी रखी। माना जाता है कि गाजा डील में तीन चरण का समझौता शामिल है– जो मूल रूप से बाइडेन द्वारा निर्धारित रूपरेखा पर आधारित है और जिसे संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद द्वारा समर्थन दिया गया है। इसमें छह सप्ताह की अवधि में 33 इजरायली बंधकों की रिहाई का प्रावधान है, जिसमें महिलाएं, बच्चे, वृद्ध और घायल नागरिक शामिल हैं, बदले में संभवतरू सैकड़ों फिलिस्तीनी महिलाओं और बच्चों को इजरायल द्वारा कैद से मुक्त किया जायेगा। 33 में से पांच महिला इजरायली सैनिक होंगी, जिनमें से प्रत्येक को 50 फिलिस्तीनी कैदियों के बदले में रिहा किया जायेगा, जिनमें आजीवन कारावास की सजा काट रहे 30 दोषी आतंकवादी शामिल हैं। पहले चरण के अंत तक, सभी नागरिक बंदी– जीवित या मृत– रिहा कर दिये जाएंगे। महत्वपूर्ण रूप से, लड़ाई को शुरुआती छह सप्ताह के लिए रोकने के लिए, समझौते की योजना युद्ध को पूरी तरह से समाप्त करने के उद्देश्य से आगे की बातचीत का रास्ता खोलने की है। दुनिया में चल रहा दूसरा बड़ा युद्ध यूक्रेन में है जिसमें रूस शामिल है। राष्ट्रपति बाइडेन ने युद्ध को समाप्त करने के लिए खुद कोई पहल नहीं की। उन्होंने यूक्रेन को हथियार भेजना जारी रखा और कुछ दिन पहले ही रूस के खिलाफ और प्रतिबंध लगाये। इसके विपरीत, ट्रम्प ने जल्द ही अपनी जीत के बाद यूक्रेन में युद्ध की समाप्ति को अपनी प्राथमिकता बताया और संकेत दिया कि वे राष्ट्रपति पुतिन से मिलेंगे। रूसी अधिकारियों ने सकारात्मक प्रतिक्रिया दी है। उम्मीद है कि ट्रम्प के पदभार संभालने के तुरंत बाद शिखर सम्मेलन आयोजित किया जायेगा। अगर राष्ट्रपति पुतिन के साथ आखिरकार कोई समझौता हो जाता है, चाहे जो भी शर्तें हों, तो यह दक्षिणपंथी रिपब्लिकन के लिए एक और उपलब्धि होगी। पिछले करीब तीन सालों से युद्ध विरोधी आंदोलन और यूरोपीय वामपंथी और उदारवादी फिलिस्तीन में इजरायल के नरसंहार और यूक्रेन में युद्ध की समाप्ति की मांग कर रहे हैं।

## शांति के लिये समझौता

यह सुखद ही कि करीब डेढ़ वर्ष से जारी इस्राइल–हमास संघर्ष खत्म करने के लिये युद्धविराम पर सहमति बन गई है। भले ही इस समझौते के लिये अमेरिका में सत्ता परिवर्तन के बीच संघर्ष समाप्ति का श्रेय लेने की होड़ हो, लेकिन गाजा के लोग जिस मानवीय त्रासदी से जूझ रहे थे, उन्हें जरूर इससे कुछ राहत मिलेगी। संयुक्त राष्ट्र के तमाम प्रयासों व मध्यपूर्व के इस्लामिक देशों की बार–बार की गई पहल के बावजूद अब तक शांति वार्ता सिरे न चढ़ सकी थी। जिसकी कीमत करीब पचास हजार लोगों ने अपनी जान देकर चुकायी। इस युद्ध से गाजा के विभिन्न क्षेत्रों में जो तबाही हुई है, उससे उबरने में दशकों लग सकते हैं। निस्संदेह, इस्राइल व हमास के बीच युद्ध विराम पर सहमति होना महत्वपूर्ण है, लेकिन जब तक समझौता यथार्थ में लागू होता न नजर आए, तब कुछ भी कहना जल्दीबाजी होगी। हालांकि, अक्तूबर, तेईस में हमास के हमले से आहत इस्राइल कई मोर्चों पर लगातार युद्ध से थक चुका है, लेकिन अभी अरब जगत उसकी विश्वसनीयता पर सवाल उठा रहा है। ऐसी आशंका इसीलिए भी है कि कई बार बातचीत अंतिम दौर पर पहुंचते–पहुंचते पटरी से उतरती गई है। बात और घात लगातार चलते रहे हैं। अब भविष्य में देखना होगा कि दोनों पक्ष समझौते के अमल के प्रति कितनी ईमानदारी से प्रतिबद्ध नजर आते हैं। हालांकि, अपने बंधकों की जल्द रिहाई को लेकर इस्राइल के विपक्षी राजनीतिक दलों व मंत्रिमंडल में भी मतभेद उभर रहे हैं, लेकिन इतनी लंबी लड़ाई के बाद थक चुकी इस्राइली सेना को भी राहत देने की मांग की जाती रही है। बहरहाल, युद्ध विराम के प्रश्न पर इस्राइल व हमास के बीच सहमति से शांति की उम्मीदें प्रबल हुई हैं। जहां एक ओर अमेरिका में वर्तमान राष्ट्रपति जो बाइडेन व नव निर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप समझौते के लिए श्रेय ले रहे हैं, वहीं ईरान इसे फलस्तीनी प्रतिरोध की जीत बता रहा है। दरअसल, हालिया समझौते में इस्राइली सेना की गाजा से वापसी, चरणबद्ध तरीके से इस्राइली बंधकों व फलस्तीनी कैदियों की रिहाई और गाजा में पुनर्निर्माण पर सहमति बनी है। इसके साथ ही गाजा के विस्थापितों को वापस लौटने की अनुमति भी दी जाएगी। अभी गाजा में मानवीय सहायता पहुंचाने के मार्ग में आने वाली बाधाओं को भी दूर किया जाना है। दरअसल, सात अक्तूबर 2023 को हमास के क्रूर हमलों में इस्राइल के बारह सौ लोग मारे गए थे और करीब ढाई सौ लोगों को हमास के लड़ाके सौदेबाजी के लिये बंधक बनाकर ले गए थे। साफ था कि इस अपमानजक घटना का इस्राइल प्रतिशोध लेगा,लेकिन संघर्ष करीब डेढ़ वर्ष तक चलेगा, इसकी उम्मीद किसी को नहीं थी। हालांकि, कुछ इस्राइली बंधक रिहा किए गए, कुछ युद्ध के बीच मारे गए, लेकिन बचे बंधकों की रिहाई का भारी दबाव नेतन्याहू सरकार पर लगातार बना रहा। हमास संचालित स्वास्थ्य मंत्रालय दावा कर रहा है कि इस्राइली हमलों में अब तक पचास हजार लोग मारे गए हैं। संघर्ष में वास्तव में हमास के कितने लड़ाके मारे गए यह कहना कठिन है, लेकिन बड़ी संख्या में बच्चों–महिलाओं ने युद्ध में जान गवांई। एक अनुमान के अनुसार गाजा संघर्ष में उपजी मानवीय त्रासदी में करीब बीस लाख लोग विस्थापित हुए हैं। इस्राइली हमलों में अस्पताल–स्कूल भी निशाना बने, जिन्हें शरणार्थियों की सुरक्षित पनाहगाह माना जाता है। इस्राइल पर अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय में युद्ध अपराध तक के आरोप लगाए गए। बहरहाल, जब लंबे समय के बाद शांति की स्थितियां बन रही हैं तो अंतर्राष्ट्रीय बिरादरी व संयुक्त राष्ट्र का दायित्व बनता है कि समझौते के क्रियान्वयन की निगरानी की जाए। ताकि मध्यपूर्व में स्थायी शांति की राह मजबूत हो सके। निश्चित रूप से युद्ध शांति का विकल्प नहीं हो सकता। इस संघर्ष की शुरुआत भले हमास ने की हो, लेकिन इसकी सबसे बड़ी कीमत उन लोगों ने चुकाई, जो इसके लिये जिम्मेदार नहीं थे। हालांकि, इस बात को लेकर शंकाएं व्यक्त की जा रही हैं।

## बैंक कर्मियों ने साहस से लुटेरे को पकड़ा, लूटने का प्रयास नाकाम

कानपुर,(यूएनएस)। घाटमपुर के पतारा कस्बे में शनिवार सुबह स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की शाखा में लूट का प्रयास विफल हो गया। बैंक कर्मियों की बहादुरी और सतर्कता से लुटेरे को पकड़ लिया गया। इस दौरान तीन बैंक कर्मचारी घायल हो गए, लेकिन उनकी सूझबूझ से बैंक को लूटने से बचा लिया गया। घटना सुबह करीब साढ़े 10 बजे की है। बैंक में मैनेजर वीरेंद्र कुमार, कैशियर प्राणनाथ शुक्ला और महिला सहायक सपना कुमारी अपना काम शुरू कर रहे थे। गार्ड सुनील कुमार बैंक के गेट पर तैनात थे। तभी एक युवक देसी कट्टा और चाकू लेकर बैंक में घुसा। गार्ड ने उसे रोकने की कोशिश की, लेकिन लुटेरे ने चाकू से गार्ड पर हमला कर दिया। लुटेरे ने मैनेजर और कैशियर पर भी चाकू से वार किया और करीब 30 मिनट तक बैंक में आतंक मचाया। इस बीच महिला कर्मचारी ने साहस दिखाते हुए बैंक का हूटर बजा दिया, जिससे आसपास के लोग बैंक के अंदर पहुंचे। घायल होने के बावजूद बैंक कर्मियों ने हिम्मत नहीं हारी। मैनेजर और कैशियर ने लुटेरे को पीछे से पकड़ लिया। गार्ड और अन्य लोगों की मदद से लुटेरे से चाकू और तमंचा छीना गया। फिर उसे रस्सी से बांधकर पुलिस के हवाले कर दिया गया।घायलों को तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया। गार्ड सुनील कुमार को गंभीर चोटों के कारण कानपुर के हैलट अस्पताल रेफर किया गया, जबकि मैनेजर और कैशियर का इलाज एक निजी अस्पताल में चल रहा है। वही घटना की सूचना पर डीसीपी क्राइम आशीष श्रीवास्तव पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। फोरेंसिक टीम ने सबूत जुटाए। लुटेरे के पास से 315 बोर का देसी तमंचा, चाकू और दो धारदार ब्लेड बरामद किए गए।

## सांप के काटने से सफाईकर्मी गंभीर, अस्पताल में भर्ती

कानपुर,(यूएनएस)। आवास विकास योजना संख्या एक में सीवर सफाई करते समय शनिवार को एक प्राइवेट सफाईकर्मी को सांप ने काट लिया। घटना के बाद क्षेत्र में अफरा–तफरी मच गई। अन्य कर्मचारियों ने उसे तुरंत पास के निजी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है। प्रकाश वाल्मीकि, जो ठेकेदार राजा अवस्थी के अधीन सफाईकर्मी के तौर पर कार्यरत हैं, घटना के समय सीवर सफाई का काम कर रहे थे। उनकी पत्नी सूरती देवी और दो बेटे, करन और अर्जुन, परिवार में हैं। उनके बेटे करन ने बताया कि सफाई के दौरान अचानक झाड़ियों से एक काला सांप निकल आया और प्रकाश के पैर और हाथ पर काट लिया।घटना की जानकारी मिलते ही क्षेत्र में हड़कंप मच गया। वार्ड 54 के पार्षद कौशल किशोर मिश्रा तुरंत मौके पर पहुंचे और प्रकाश को निजी अस्पताल में भर्ती कराया। डॉक्टरों ने बताया कि उनकी हालत नाजुक है और निगरानी में रखा गया है।

## संपूर्ण समाधान दिवस जनपद की समस्त तहसीलों में कल

मैनपुरी,(यूएनएस)। जिलाधिकारी अंजनी कुमार सिंह ने बताया कि सचिव उ. प्र. शासन राजस्व अनुभाग के पत्र के क्रम में दिनांक 18 जनवरी को आयोजित होने वाला संपूर्ण समाधान दिवस वर्चुअल माध्यम से घरौनी वितरण के फलस्वरुप स्थगित कर दिया गया था, अब संपूर्ण समाधान दिवस जनपद की समस्त तहसीलों में कल दिनांक 20 जनवरी दिन सोमवार को आयोजित होगा, तद्क्रम में जिलाधिकारी तहसील कुरावली में एवं मुख्य विकास अधिकारी तहसील भोगांव में, अपर जिलाधिकारी तहसील करहल में उपस्थित रहकर जन–समस्याएं सुनेंगे। उन्होंने जिला स्तरीय अधिकारियों से कहा है कि वह निर्धारित समय पर तहसील कुरावली में आयोजित होने वाले संपूर्ण समाधान दिवस में प्रतिभाग करना सुनिश्चित करें।

## शारदानगर पुलिस ने एक वारंटी को किया गिरफ्तार

लखीमपुर खीरी,(यूएनएस)। अपराध की रोकथाम व वांछितध्वारंटी अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु चलाए जा रहे अभियान के अंतर्गत शनिवार को सीओ सिटी रमेश कुमार तिवारी के पर्यवेक्षण व थाना प्रभारी ब्रजेश कुमार मौर्य के नेतृत्व में थाना शारदानगर पुलिस द्वारा एक नफर वारंटी अभियुक्त उमेश पुत्र पृथ्वीपाल निवासी उमरिया थाना शारदानगर जनपद खीरी को गिरफ्तार कर अग्रिम विधिक कार्यवाही हेतु न्यायालय के समक्ष पेश किया गया।

## विधायक व अफसरों ने बांटे स्वामित्व योजना के प्रपत्र व कंबल

धौरहरा खीरी,(यूएनएस)। शनिवार को तहसील सभागार में ग्रामीण क्षेत्रों में निवास करने वाले लोगों को स्वामित्व योजना के अंतर्गत घरौनी प्रपत्रों का वितरण कार्यक्रम क्षेत्रीय विधायक व एसडीएम, तहसीलदारव बीडीओ ध ौरहरा की मौजूदगी में संपन्न हुआ।इस दौरान कुल 60 लोगों को घरौनी पत्र व कंबल वितरित किया गया।जानकारी के अनुसार शनिवार को तहसील प्रशासन व क्षेत्रीय विधायक विनोद शंकर अवस्थी ने तहसील सभागार में 60 लोगों को घरों के मालिकाना हक प्रपत्रों का वितरण किया गया। साथ ही आए हुए ग्रामीणों को कंबल भी वितरित किए गये।इस अवसर पर क्षेत्रीय विधायक ने उपस्थित ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री के निर्देश पर ग्रामीण क्षेत्रों में निवास करने वाले लोगों को मालिकाना हक प्रदान करने के उद्देश्य से घर की जमीन का मालिकाना हक प्रदान करने के लिए प्रपत्र 10 वितरित किया गया है। ज्ञात हो विध ानसभा धौरहरा में 10360 कुल प्रपत्रों के सापेक्ष शनिवार को तहसील, ब्लाक व ग्राम पंचायत स्तर पर कुल 5325 प्रारुप वितरित किए गए।इस दौरान तहसीलदार धौरहरा आदित्य विशाल,खण्ड विकास अधिकारी धौरहरा सुमित कुमार सिंह,नायब तहसीलदार फिरोजाबाद शंशाक शेखर मिश्रा सहित दर्जनों लेखपाल व राजस्व कर्मी मौजूद रहे।

## गाय छोड़कर आ रहे ग्रामीणों ने लगाया ग्राम प्रधान पति पर मार पीट का आरोप

शाहजहांपुर,(यूएनएस)। मीरानपुर कटरा क्षेत्र के एक गांव निवासी ग्रामीण जिलाधिकारी व खंड विकास अधिकारी आदेश पर गौशाला में गायों को छोड़कर वापस लौट रहे थे आरोप है कि दूसरे गांव के प्रधान पति समेत गांव के लोगों ने की मारपीट। क्षेत्र के गांव ईश्वरा निवासी दीपक कुमार पंचायत सहायक व गांव के अन्य लोगों ने पुलिस को दिए प्रार्थना पत्र में बताया कि जिलाधिकारी व खंड विकास अधिकारी के आदेश पर ट्रैक्टर ट्राली में गायों को भरकर तिलहर गौशाला में छोड़कर आ रहे थे। आरोप है कि दीपक कुमार व गौतम कुमार के साथ अन्य ग्रामीण गांव समधाना से निकल रहे थे। तभी समधाना प्रधान पति अरविंद कुमार गांव के 40 अज्ञात लोगों के साथ टैक्टर ट्रॉली व बाइक को घेर लिया और यह कहते हुए की तुमने अपने गांव की गाय हमारे गांव में छोड़ दी लाकर कहते हुवे जातिसूचक गालियां देते हुए मारपीट करने लगे। दीपक ने पुलिस को प्रार्थना पत्र देकर कार्यवाही की मांग की है।

## सहयोग संस्था ने अग्रसेन तिराहे पर किया चाय का वितरण

शाहजहांपुर,(यूएनएस)। प्रतिदिन की तरह सहयोग संस्था के सदस्यों ने महानगर के अग्रसेन तिराहे पर कैंप लगाकर चाय एवं बिस्किट का वितरण किया। संस्था की संयुक्त सचिव डॉक्टर उजमा अफजल ने चाय एवं बिस्किट वितरित करते हुए कहा कि हमारी संस्था के सभी पदाधिकारी एक परिवार की तरह मिलकर समाज सेवा का कार्य कर रहे हैं और ऐसा लगता ही नहीं कि हमारी संस्था में सभी धर्म के लोग हैं। और हम सब लोग मिलकर सभी धर्म के लोगों की सेवा कर रहे हैं प्रत्येक कार्य मिलजुल कर किया जा रहा है और हमारी संस्था समाज को एक बहुत ही अच्छा संदेश भी दे रही है।

**सेलिना जेटली** सेलिना जेटली ने कई पॉपुलर फिल्मों में काम किया है। सेलिना शादी के बाद फिल्मों से दूर हो गईं। फिलहाल वह पति और 3 बेटों के साथ ऑस्ट्रिया में रहती हैं। वह शॉर्ट फिल्म में काम करती हैं और मॉडलिंग भी करती हैं।

# स्वामित्व योजनान्तर्गत संपत्ति कार्ड वितरण कार्यक्रम हुआ संपन्न

### वित्त मंत्री ने लाभार्थियों को स्वामित्व कार्ड का किया वितरण

शाहजहांपुर,(यूएनएस)। स्वामित्व कार्ड (घरौनियों) वितरण कार्यक्रम भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी प्रेक्षागृह में आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश सरकार के वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री श्री सुरेश कुमार खन्ना ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। प्रधानमंत्री ने स्वामित्व योजना के अंतर्गत देश भर में तैयार किये गये प्रापर्टी कार्ड (घरौनियों) का इलेक्ट्रानिक वितरण नई दिल्ली से वर्चुअल माध्यम से किया गया। तत्पश्चात मुख्यमंत्री द्वारा चयनित अभ्यार्थियों को भौतिक रुप से भी घरौनी वितरण किया।

प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री के कार्यक्रम का सीधा सजीव प्रसारण देखा एवं सुना गया। कार्यक्रम में एमएलसी डॉ. सुधीर गुप्ता, जिला सहकारी बैंक के अध्यक्ष डीपीएस रठौर, भाजपा जिलाध्यक्ष केसी मिश्रा सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि ने कहा कि सभी ग्राम वासियों को ड्रोन सर्वेक्षण के माध्यम से उनके घर का दस्तावेज सबूत उनके पास रहे, इसी उद्देश्य से उन्हें स्वामित्व प्रमाण पत्र दिए जा रहे है। उन्होंने कहा कि प्रध ानमंत्री ने घरौनियों का वितरण किया जा रहा है यह सरकार का बहुत बड़ा कदम है। इस दस्तावेज के माध्यम से लोगों को घर का अपना अधिकार तथा सुविधाएं होगी। लाभार्थीगण स्वामित्व कार्ड से विभिन्न योजनाओं का लाभ, ऋण आदि प्राप्त कर सकेंगे। उन्होंने बताया कि जनपद में 24 अप्रैल, 2023 तक 186569 घरौनियां वितरित की जा चुकी हैं। 24 अप्रैल, 2023 से अब तक कुल 392 ग्रामों की तैयार घरौनियों की संख्या 61678 हैं। तहसील कलान के 72 ग्रामों की 9561 घरौनी, सदर के 98 ग्रामों की 15357 घरौनी, तिलहर के 87 ग्रामों की 13902 घरौनी, जलालाबाद के 37 ग्रामों की 7907 घरौनी व पुवायाँ के 98 ग्रामों की 14951 कुल 392 ग्रामों की कुल 61678 घरौनियों का वितरण किया जा रहा है। आज जनपद स्तर पर तहसील सदर के 120, तहसील पुवायाँ के 100, तहसील तिलहर के 100, तहसील जलालाबाद के 50 व तहसील कलान के 50 कुल 420 लाभार्थियों को घरौनी का वितरण किया गया है। उन्होंने कहा कि गांवों में खासकर जैसा माहौल रहता है जिसमें छोटी–छोटी बातों को लेकर लड़ाई झगड़े होते हैं और वह बहुत गंभीर स्थिति तक पहुंच जाते हैं। घरौनियों से गांवों में लड़ाई झगड़े एवं मनमुटाव से राहत मिलेगी। उन्होंने कहा कि स्वामित्व योजना के अन्तर्गत ग्रामीण क्षेत्रों की आवासीय भूमि की पैमाईश भारतीय सर्वेक्षण विभाग के द्वारा ड्रोन तकनीकी के द्वारा करके डिजिटल मैप तैयार कर मानचित्र का निर्माण किया गया है। मानचित्र के द्वारा ग्रामीण आवासीय क्षेत्र का सर्वेक्षण कर प्रत्येक घर का निर्विवाद व स्पष्ट सम्पत्ति कार्ड (मालिकाना) तैयार किया गया है। घरौनियों से ग्रामीण परिवार को मालिकाना हक प्राप्त रहा है। साथ ही सम्पत्ति की सीमाओं का सटीक माप होने के कारण सम्पत्ति की सुरक्षा व अधिकार प्रत्येक ग्रामीण परिवार को प्राप्त होता है। स्वामित्व योजना के अन्तर्गत प्राप्त होने वाले सम्पत्ति कार्ड से सम्पत्ति के मालिकों के लिए औपचारिक बैंकों से ऋण प्राप्त करने में आसानी होती है। सम्पत्तियों का सटीक माप होने से आपसी झगड़े व स्वामित्व विवाद व अतिक्रमण सम्बन्धी समस्याओं से छुटकारा मिला है। उन्होंने कहा कि स्वामित्व योजना के द्वारा सरकारी एवं निजी भूमि की पहचान हुई है। ग्राम पंचायतों को विकास कार्यों के लिए बेहतर आकलन तैयार करने में सहायता मिलती है। योजना के अन्तर्गत ग्राम पंचायतों को अपने राजस्व स्रोतों को बढ़ाने में मदद मिलेगी। स्वामित्व योजना के द्वारा एकत्रित डाटा से किसी भी आपदा के समय राहत कार्य प्रदान करने में आसानी होगी। योजना अन्तर्गत प्राप्त डाटा से ग्राम पंचायत अपने नागरिकों के लिए बेहतर सुविधा देने के लिए कार्य योजना तैयार करेंगी। मंत्री जी ने टेक्नोलॉजी के लाभ एवं नुकसान के बारे में भी विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि टेक्नोलॉजी एवं इंटरनेट के माध्यम से लोगों का बहुत सारी जानकारी मिलती है इसका सही उपयोग करे। कार्यक्रम के अंत में मुख्य अतिथि ने घरौनियों का वितरण किया तथा स्वच्छता एवं नशा से मुक्ति की शपथ दिलाई। मुख्य अतिथि ने ऑडिटोरियम के परिसर में वृक्षारोपण भी किया। इस अवसर पर जिलाधिकारी धर्मेंद्र प्रताप सिंह, पुलिस अधीक्षक राजेश एस, मुख्य विकास अधिकारी डॉ. अपराजिता सिंह, अपर जिलाधिकारी प्रशासन संजय कुमार पाण्डेय, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व डॉ. सुरेश कुमार, नगर मजिस्ट्रेट प्रवेन्द्र कुमार सहित अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद रहें।

# स्वामित्व योजना के अंतर्गत घरौनी वितरण कार्यक्रम

सिद्धार्थ नगर,(यूएनएस)। जिले में प्रधानमंत्री भारत सरकार नरेन्द्र मोदी जी द्वारा घरौनी के इलेक्ट्रॉनिक वितरण कार्यक्रम लाइव प्रसारण लोहिया कलाभवन में विधायक कपिलवस्तु श्यामधनी राही, जिलाध्यक्ष भाजपा कन्हैया पासवान, अध्यक्ष नगर पालिका परिषद सिद्धार्थनगर गोविन्द माधव, जिलाधि ाकारी डा0 राजा गणपति आर0, मुख्य विकास अधिकारी जयेन्द्र कुमार द्वारा देखा गया। इसके पश्चात मा मुख्यमंत्री जी के घरौनी वितरण कार्यक्रम का सजीव प्रसारण देखा गया। इसके पश्चात विधायक कपिलवस्तु श्यामधनी राही, जिलाध्यक्ष भाजपा कन्हैया पासवान,अध्यक्ष नगर पालिका परिषद सिद्धार्थनगर गोविन्द माधव, जिलाधिकारी डा0 राजा गणपति आर0, मुख्य विकास अधिकारी जयेन्द्र कुमार द्वारा द्वीप प्रज्ज्वलित कर जनपद स्तर पर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया। इसके पश्चात जनप्रतिनिधिगण को पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया गया। इस अवसर पर विधायक कपिलवस्तु श्याम धनी राही ने कहा कि लाभार्थियों को घर के मालिकाना हक मिलने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दी।घर का मालिकाना हक, वैध प्रपत्र मिलने से अब किसी प्रकार का झगड़ा आदि नहीं हो सकेगा तथा जरूरत के समय में लोगो को ऋण भी मिल सकेगा। उन्होंने कहा कि केंद्र व प्रदेश सरकार समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति को विकास की मुख्य धारा से जोड़ने का कार्य कर रही है। इसी क्रम में जल जीवन मिशन के अंतर्गत गांव–गांव तक नल से जल उपलब्ध कराया जा रहा है। किसानों, महिलाओं, युवाओ,गरीबों के हित में अनेक योजनाएं लागू की गयीं हैं जिनका लाभ सभी को मिल रहा है। उन्होंने लोगों को आत्मनिर्भर बनने हेतु प्रोत्साहित किया। जिलाध्यक्ष भाजपा कन्हैया पासवान ने कहा कि इस योजना से लोन आसानी से मिल जायेगा। जिससे अपना रोजगार कर सकते है। इसके साथ ही उन्होनें कहा कि प्रधानमंत्री बनने के बाद देश में उज्ज्वला योजना, तथा अन्य बहुत सारी योजनाएं चलाकर लोगो को लाभ दिया जा रहा है। अध्यक्ष नगर पालिका परिषद सिद्धार्थनगर गोविन्द माधव ने कहा कि भारत सरकारध्प्रदेश सरकार द्वारा चलायी जा रही योजनाओ का लाभ पात्र लाभार्थियों को मिल रहा है। विधायक कपिलवस्तु श्यामधनी राही द्वारा नशा मुक्त शपथ तथा स्वच्छता की शपथ दिलाया गया। विध ायक कपिलवस्तु श्यामधनी राही, जिलाध्यक्ष भाजपा कन्हैया पासवान, अध्यक्ष नगर पालिका परिषद सिद्धार्थनगर द्वारा अपने हाथों से 37 लोगो को घरौनी प्रमाण–पत्र दिया गया। जनपद के समस्त तहसीलों में इस कार्यक्रम का लाइव प्रसारण दिखाया गया। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी (वि0ध रा0) उमाशंकर, पीडी नागेन्द्र मोहन राम त्रिपाठी, कार्यक्रम संयोजक फूलचन्द्र जायसवाल, व अन्य सम्बन्धित अधिकारी व कर्मचारीगण उपस्थित थे।

# महिला को रौंदकर बस पेड़ से भिड़ी,तेज रफ्तार रोडवेज बस के ड्राइवर को आई मिर्गी

वाराणसी,(यूएनएस)। वाराणसी के मंडुवाडीह में शनिवार को तेज रफ्तार रोडवेज बस ने सड़क किनारे पैदल जा रही महिला को रौंद दिया। महिला को टक्कर मारने के बाद बस पेड़ से जाकर टकरा गई। सड़क पर दौड़ती अनियंत्रित बस से हड़कंप मच गया। कई यात्री खिड़की से कूद गए तो दरवाजे से कूदने में धक्का मुक्की हो गई। तेज आवाज के साथ बस टकराते ही सड़क पर अफरा तफरी हो गई, वहीं बस के यात्रियों में चीख पुकार शुरू मच गई। आसपास जुटे लोगों ने आनन फानन में सभी को बाहर निकाला। वहीं बस के नीचे दबी महिला ने तब तक दम तोड़ दिया। सूचना के बाद मंडुवाडीह पुलिस मौके पर पहुंची तो पता चला कि बस ड्राइवर को मिर्गी आ गई थी, वह अपनी सीट पर बदहवास

हालत में मिला। हालांकि पुलिस ने उसे हिरासत में ले लिया है। मृतका के शव को कब्जे में लेकर परिजनों को सूचना दी गई है। हादसे के बाद आला अधिकारी भी मौके पर पहुंचे हैं। शनिवार की सुबह प्रयागराज से यात्रियों को लेकर बस वाराणसी आ रही थी। मंडुवाडीह क्षेत्र के बौलिया लहरतारा के बीच रोडवेज बस के ड्राइवर को मिर्गी आ गई और बस अनियंत्रित हो गई। तेज रफ्तार बस का चालक सीट पर अचानक बदहवास होने लगा। उसने ब्रेक लगाने की कोशिश की, लेकिन बस ने सड़क किनारे एक वाहन को टक्कर मार दी। इसे बाद पैदल जा रही महिला को चपेट में ले लिया और बस के पहिए के नीचे आ गई। महिला अपने घर का सामान लेने के लिए बाजार जा रही थी। हादसे में लहुलुहान हालत में उसे उठाया गया और अस्पताल ले जाने की कोशिश हुई लेकिन तब तक दम तोड़ दिया था। वहीं घटना के बाद जुटे लोगों ने यात्रियों को बाहर निकाला और पुलिस को सूचना दी। सबसे पहले लहरतारा चौकी से पुलिसकर्मी घटनास्थल पर पहुंचे। जानकारी पाकर रोडवेज के अधि ाकारी भी घटनास्थल पर पहुंचे और जांच पड़ताल की। हादसे के बाद बस में चीख पुकार मच गई, कई यात्री बस से कूदने के प्रयास में घायल हो गए तो कुछ बस टकराने के बाद चोटिल हुए। हलांकि मौके पर पहुंचे पुलिस कर्मियों ने चोटिल बस यात्रियों का हाल पूछा। तीन लोगों को पास के एक क्लीनिक पर उपचार के लिए भेजा गया, हालांकि पांच लोग मामूली रूप से चोटिल हुए थे।

# अवैध खनन में 30 ट्रकों पर 15 लाख का जुर्माना

उन्नाव,(यूएनएस)। खनन माफियाओं पर शिकंजा कसने के उद्देश्य से खनन विभाग द्वारा जिले में बड़े स्तर पर प्रवर्तन अभियान चलाया गया। इस अभियान के दौरान विभाग ने अवैध खनन और नियमों के उल्लंघन में लिप्त 30 ट्रकों को पकड़ा और उन पर लगभग 15 लाख रुपए का जुर्माना लगाया। यह कार्रवाई बीघापुर, अचलगंज, पुरवा, मौरावां, अजगैन और हसनगंज सहित विभिन्न क्षेत्रों में की गई। खनन विभाग की टीम ने यह व्यापक अभियान चलाया। इस दौरान कई इलाकों में छापेमारी की गई और संदिग्ध वाहनों की जांच की गई। विभाग को सूचना मिली थी कि जिले के कुछ क्षेत्रों में बिना अनुमति के खनन किया जा रहा है और भारी मात्रा में बालू और अन्य खनिजों का परिवहन हो रहा है। सूचना के आध ार पर विभाग की टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए इन इलाकों में छापेमारी की। छापेमारी के दौरान नियमों का उल्लंघन करने वाले ट्रक पकड़े गए कार्रवाई के दौरान खनन विभाग की टीम ने पाया कि कई ट्रक बिना वैध अनुमति पत्र या निर्धारित मापदंडों का पालन किए बिना खनिजों का परिवहन कर रहे थे। इन सभी ट्रकों को तत्काल रोका गया और उनकी जांच की गई। विभाग के अधिकारियों ने बताया कि इन ट्रकों के चालकों के पास आवश्यक कागजात नहीं थे और वे निर्धारित सीमा से अधिक मात्रा में खनिजों का परिवहन कर रहे थे। खनन विभाग ने नियमों का उल्लंघन करने वाले ट्रकों पर जुर्माना लगाते हुए लगभग 15 लाख रुपये वसूले। विभाग के अधिकारियों ने बताया कि यह कार्रवाई न केवल अवैध खनन पर रोक लगाने के लिए की गई, बल्कि यह संदेश देने के लिए भी थी कि अवैध गतिविधियों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। खनन विभाग के अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि इस कार्रवाई का मुख्य उद्देश्य अवैध ा खनन और खनिजों के गैर–कानूनी परिवहन को रोकना है। उन्होंने कहा कि अवैध खनन न केवल सरकारी राजस्व को नुकसान पहुंचाता है, बल्कि पर्यावरण और स्थानीय समुदायों पर भी नकारात्मक प्रभाव डालता है। आगे भी जारी रहेगा अभियान–खनन विभाग ने यह भी चेतावनी दी कि आगे भी इस तरह के अभियान जारी रहेंगे। विभाग के अधिकारियों ने जनता से अपील की है कि यदि उन्हें किसी प्रकार की अवैध खनन गतिविधि की जानकारी हो, तो वे तुरंत इसकी सूचना दें।

## संविधान गौरव अभियान के अन्तर्गत कटरा में हुई गोष्ठी'

शाहजहांपुर,(यूएनएस)। कटरा पी.डब्ल्यू.डी. गेस्ट हाउस में संविधान गौरव दिवस के अन्तर्गत संविधान गौरव गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पार्टी मुख्यालय के निर्देश पर महापौर अर्चना वर्मा ने शिरकत की। इस अवसर पर महापौर अर्चना वर्मा ने कहा कि भारतीय संविधान देश की आत्मा है, भव्य दिव्य भारत की मजबूत बुनियाद है जिस पर हमारी व्यवस्थाएँ टिकी हुयी हैं। बाबा साहब डॉ. भीमराव अम्बेडकर साहब भारतीय संविधान के शिल्पकार थे। यह उनके ज्ञान, दूरदृष्टि और समर्पण का परिणाम है कि हमारा लोकतंत्र दुनिया का सबसे बड़ा और सशक्त लोकतंत्र है। बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर भारतीय समाज के एक प्रमुख नेता, समाज सुधारक, और संविधान निर्माता थे। उनकी जीवन यात्रा और संघर्षों ने उन्हें भारतीय सामाजिक और राजनीतिक परिदृश्य में एक विशेष स्थान दिलाया। अपनी उल्लेखनीय शैक्षणिक उपलब्धियों के माध्यम से उन्होंने इन चुनौतियों पर विजय प्राप्त की। आयोजन में सत्यपाल, जिलाध्यक्ष बीजेपी के.सी. मिश्र, ब्लॉक प्रमुख नमित दीक्षित के अतिरिक्त अधिक संख्या में लोग उपस्थित रहे।

## मानसिक रूप से विक्षिप्त बच्चे की सड़क हादसे में मौत

रायबरेली,(यूएनएस)। जनपद के बछरावां थाना क्षेत्र में एक दर्दनाक सड़क हादसे में 14 वर्षीय मानसिक रूप से विक्षिप्त बच्चे की मौत हो गई। घटना लखनऊ–प्रयागराज राष्ट्रीय राजमार्ग पर चुरुवा सीमेंट फैक्ट्री के सामने हुई, जहां एक अज्ञात वाहन ने बच्चे को टक्कर मार दी।मृतक की पहचान रानीखेड़ा निवासी मैकूलाल के पुत्र चंदन के रूप में हुई है। परिजनों के अनुसार, चंदन मानसिक रूप से विक्षिप्त था और अक्सर बिना किसी को बताए घर से निकलकर सड़कों पर घूमने चला जाता था। घटना सुबह के समय की है, जब वह फिर से घर से निकल गया था। बछरावां थाना अध्यक्ष ने बताया कि पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। घटना में शामिल वाहन की पहचान के लिए आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। पुलिस ने मामले में विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है और फरार वाहन चालक की तलाश की जा रही है।

## खाने का पैसा मांगा, ढाबा मालिक पर चढ़ा दी कार

रायबरेली,(यूएनएस)। जनपद में एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है। लखनऊ–प्रयागराज हाईवे पर हरचंदपुर थाना क्षेत्र के डिडौली गांव स्थित कल्लू ढाबे पर शुक्रवार रात करीब 9 बजे एक दर्दनाक घटना हुई। चार युवकों ने खाने का बिल मांगने पर ढाबा मालिक सुरेश सिंह पर कार चढ़ा दी।घटना की जानकारी के अनुसार, चार युवक कार से ढाबे पर खाना खाने आए थे। खाना खाने के बाद जब ढाबा मालिक ने बिल मांगा तो युवक विवाद करने लगे। विवाद बढ़ने पर आसपास के लोग जमा हो गए। इस पर युवकों ने ढाबा मालिक पर कार चढ़ा दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद युवक भागने लगे और हाईवे पर काफी देर तक स्टंट करते रहे। ग्रामीणों ने ईंट–पत्थर से उनका पीछा किया और एक युवक को पकड़ लिया, जबकि तीन युवक अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गए। स्थानीय लोगों के अनुसार, सभी युवक शहर कोतवाली क्षेत्र के रहने वाले हैं। हरचंदपुर पुलिस ने पकड़े गए युवक को हिरासत में लेकर थाने ले गई और घायल ढाबा मालिक को जिला अस्पताल में भर्ती कराया। थाना प्रभारी संतोष सिंह ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है और तहरीर मिलने पर मुकदमा दर्ज किया जाएगा। पुलिस फरार हुए तीनों आरोपियों की तलाश में जुटी है।

## दरोगा ने सफाई कर्मी को जूतों से पीटा, थाने का घेराव

रायबरेली,(यूएनएस)। जनपद के महाराजगंज कोतवाली क्षेत्र में एक दरोगा द्वारा सफाई कर्मी के साथ की गई मारपीट का मामला सामने आया है। पुलिस चौकी के पास अलाव जलाने के दौरान चौकी इंचार्ज देवेंद्र सिंह भदोरिया ने सफाई कर्मी तुषार को जूतों से पीटा और जाति सूचक शब्दों का प्रयोग करते हुए गालियां दीं। घटना बीती रात की है, जब नगर पंचायत कर्मचारी तुषार पुलिस चौकी के पास अलाव जलाने के लिए लकड़ियां उतार रहा था। पीड़ित की मां सुनीता ने महाराजगंज कोतवाली में दरोगा के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। मामले को लेकर नगर पंचायत के चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों में भारी रोष है और उन्होंने कार्य बहिष्कार की चेतावनी दी है। पुलिस ने सफाई कर्मी तुषार को कोतवाली में बंद कर दिया, जिसके बाद सफाई कर्मचारी संघ के अध्यक्ष और अन्य पदाधिकारियों ने थाने का घेराव किया। हालांकि, कोतवाली प्रभारी जगदीश यादव का कहना है कि चौकी इंचार्ज ने कोई अभद्रता नहीं की, बल्कि तुषार मोटरसाइकिल के पास अलाव जला रहा था, जिसे मना किया गया था। अपर पुलिस अधीक्षक संजीव सिन्हा ने मामले को गंभीरता से लेते हुए क्षेत्र अधिकारी को जांच के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि जांच में सामने आए तथ्यों के आधार पर विधिक कार्रवाई की जाएगी।

## गाय को लेकर विवाद, युवक ने किया बुजुर्ग पर हमला

रायबरेली,(यूएनएस)। बछरावां थाना क्षेत्र के पीठन गांव में एक बुजुर्ग की मना करने पर उस पर जानलेवा हमला कर दिया गया। घटना में 58 वर्षीय शिवसेवक गंभीर रूप से घायल हो गए। पीड़ित की पत्नी ने बताया कि गांव के अर्जुन नाम के युवक की गाय लगातार उनके घर में घुस आती थी। कई बार समझाने के बावजूद समस्या नहीं सुलझी। जब आज फिर गाय घर में घुस आई और शिवसेवक ने इसका विरोध किया, तो आरोपी अर्जुन ने धारदार हथियार और लाठी–डंडों से उन पर हमला कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही एंबुलेंस मौके पर पहुंची और घायल बुजुर्ग को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बछरावां ले जाया गया। वहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सक डॉ. गणनायक पांडे ने उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है और आरोपी की तलाश जारी है।

## नए डीएम शिव सहाय अवस्थी ने लिया चार्ज

प्रतापगढ़,(यूएनएस)। जनपद के नवनियुक्त जिलाधिकारी शिव सहाय अवस्थी ने आज कोषागार में डबल लॉक का चार्ज संभाला। कार्यभार ग्रहण करने से पहले उन्होंने मार्च पास्ट की सलामी ली।

# महाकुंभ में 100 महिलाएं नागा संन्यासी बन रहीं, 2 विदेशी

## मुंडन करवाया, 7 पीढ़ियों का पिंडदान, बिना सिले सफेद वस्त्र पहने

प्रयागराज। प्रयागराज महाकुंभ में 2 विदेशी समेत 100 महिलाओं ने एक साथ नागा संन्यासी की दीक्षा ली। इसमें सभी आयु वर्ग की महिलाएं हैं। सभी जूना अखाड़े से जुड़ी हैं। आज से इनकी जिंदगी बदल जाएगी। संगम घाट पर अपने केश कटवाए। फिर जीते जी खुद का और अपनी सात पीढ़ियों का पिंडदान किया है। गंगा में 17 पिंड बनाए, जिनमें से 16 उनकी सात पीढ़ियों के थे। एक उनका खुद का था। गंगा स्नान के बाद उन्होंने गेरुआ वस्त्र छोड़कर बिना सिले श्वेत वस्त्र धारण किए। 20 जनवरी को आचार्य महामंडलेश्वर मंत्र देंगे। इस बीच उनकी कठिन साधना चलती रहेगी। 29 जनवरी को मौनी अमावस्या को तड़के सभी महिलाएं नागा संन्यास की दीक्षा लेंगी।

अमेरिका और इटली की महिला बनीं नागा संन्यासी अमेरिका और इटली से आईं दो महिलाओं ने गंगा के तट पर नागा संन्यास की दीक्षा ली। एक की उम्र 55 साल है, जबकि एक युवा अवस्था में है। दीक्षा के बाद अमेरिका की महिला को कामाख्या देवी और इटली की महिला को शिवानी नाम दिया गया।

पुरुष नागा संन्यासी जैसी कठोर होती है दीक्षा लखनऊ की मनकामेश्वर मठ की दिव्या गिरी बताती हैं– महिला नागा संन्यासी तपस्या से गुजरती हैं, जैसे कोई पुरुष गुजरता है। महिलाओं को संन्यास धारण करने के लिए अपने श्रृंगार का त्याग करना होता है। वैसे तो हिंदू रीति रिवाज और सनातन धर्म में महिलाओं का पिंडदान करना सही नहीं है। मगर साध्वी जीवन जीने वाली महिलाओं के साथ यह नियम लागू नहीं होते हैं।

हम लोग इसलिए अपना पिंडदान करते हैं, ताकि अगर हमारे मरने के बाद कोई अंतिम संस्कार के लिए नहीं हुआ तो क्या करेंगे। ऐसे में खुद का पिंडदान कर दिया





जाता है। 24 घंटे बिना भोजन–पानी के रहीं साध्वी नागा दीक्षा के लिए धर्म ध्वजा के नीचे तपस्या के साथ संस्कार की शुरुआत 24 घंटे पहले शुरू हो गई। इसके लिए साध्वी 24 घंटे बिना भोजन–पानी के यह तपस्या कर रही हैं। इसके बाद अखाड़ा कोतवाल के साथ सभी को गंगा तट पर ले जाया गया। गंगा में 108 डुबकी लगाने के बाद और कर्म और विजय हवन हुआ।

ऐसे बनती हैं नागा संन्यासी महिला नागा संन्यासी बनने के लिए लगभग वही नियम है, जो पुरुष नागा संन्यासी के लिए होते हैं। महिला नागा संन्यासी बनने के लिए इच्छा रखने वाली की पूरी जांच कराई जाती है। परिवार को इसकी जानकारी दी जाती है। वहां से अनुमति मिलने के बाद उसे एक गुरु बनाना होता है और किसी अखाड़े में रहकर दो–तीन साल सेवा करनी होती है। वरिष्ठ संन्यासियों के लिए खाना बनाना, उनके स्थानों की सफाई करना, साधना और शास्त्रों का अध्ययन करना, इनका काम होता है।

वह एक टाइम ही भोजन करता है। काम वासना, नींद और भूख पर काबू करना सीखता है। इस दौरान यह देखा जाता है कि वो मोह–माया के चक्कर में तो नहीं पड़ रहा। उसे घर–परिवार की याद तो नहीं आ रही। अगर कोई उम्मीदवार भटका हुआ पाया जाता है, तो उसे घर भेज दिया जाता है।

जो परख अवधि में खरा उतरता है, उसे वापस संसारी दुनिया में लौटने की सलाह दी जाती है। फिर भी वह नहीं लौटता है, तो उसे संन्यास जीवन में रहने की प्रतिज्ञा दिलाई जाती है। उसे श्संन्यासीश घोषित करके पंच संस्कार किया जाता है।

पंच संस्कार यानी शिव, विष्णु, शक्ति, सूर्य और गणेश को गुरु बनाना पड़ता है। अखाड़े की तरफ से इन्हें नारियल, भगवा वस्त्र, जनेऊ, रुद्राक्ष, भभूत सहित नागाओं के प्रतीक और आभूषण दिए जाते हैं। इसके बाद गुरु अपनी प्रेम कटारी से शिष्य की शिखा यानी चोटी काट लेते हैं। इस मौके पर शीरा और धनियां बांटा जाता है।

दूसरी स्टेज– जीते जी खुद का पिंडदान, 108 डुबकियां लगानी पड़ती हैं महिला नागा संन्यासी बनने के लिए सुबह चार बजे उठाया जाता है। नित्य कर्म और साधना के बाद गुरु इन्हें लेकर नदी किनारे पहुंचते हैं। उसके शरीर से बाल हटाकर नवजात बच्चे जैसा कर देते हैं। नदी में स्नान कराया जाता है। फिर वह खुद का श्राद्ध करता है। उसे 17 पिंड दान करने होते हैं। 16 अपने पूर्वजों के और 17वां पिंडदान खुद का। इसके बाद वह सांसारिक बंधनों से मुक्त हो जाता है। वह नया जीवन लेकर अखाड़े में लौटता है। पुराने वस्त्र छोड़कर श्वेत वस्त्र धारण करती हैं। इसके बाद गुरु जनेऊ पहनाकर दंड, कमंडल और भस्म देते हैं।

इसके बाद आधी रात में विरजा यानी विजया यज्ञ किया जाता है। गुरु एक बार फिर महापुरुष से कहते हैं कि वो चाहे तो सांसारिक जीवन में लौट सकता है। जब वह नहीं लौटता तो यज्ञ के बाद अखाड़े के आचार्य, महामंडलेश्वर या पीठाधीश्वर महापुरुष को गुरुमंत्र देते हैं। इसके बाद उसे धर्म ध्वजा के नीचे बैठाकर ऊं नमरू शिवाय का जाप कराया जाता है।

अगले दिन सुबह चार बजे फिर गंगा तट पर लाया जाता है। 108 डुबकियां लगवाई जाती हैं। इसके बाद दंड–कमंडल का त्याग कराया जाता है। इस 24 घंटे की प्रक्रिया में उसे उपवास रखना होता है।

महिलाओं को ब्रह्मचर्य की परीक्षा पास करने में 10–12 साल लग जाते हैं महिलाएं भी नागा साधु बनती हैं। महिला नागा साधु को नागिन, अवधूतनी या माई कहा जाता है। ये वस्त्रधारण करती हैं। हालांकि कुछ चुनिंदा महिला नागा वस्त्र त्यागकर भभूत को ही वस्त्र बना लेती हैं। जूना अखाड़ा देश का सबसे बड़ा और पुराना अखाड़ा है। ज्यादातर महिला नागा इसी से जुड़ी हैं।

2013 में पहली बार इससे महिला नागा जुड़ीं थीं। सबसे ज्यादा महिला नागा इसी अखाड़े में हैं। इसके अलावा आह्वान अखाड़ा, निरंजन अखाड़ा, महानिर्वाणी अखाड़ा, अटल अखाड़ा और आनंद अखाड़े में भी महिला नागा हैं।

सबसे सीनियर महिला नागा संन्यासी को अखाड़े में श्रीमहंत कहा जाता है। श्रीमहंत चुनी गई माई को शाही स्नान के दिन पालकी में लाया जाता है। उन्हें अखाड़े की ध्वजा और डंका लगाने का अधिकार होता है।

महिला नागा संन्यासी बनने की प्रक्रिया भी पुरुष नागा साधुओं जैसी ही है। अंतर बस इतना है कि ब्रह्मचर्य पालन के लिए पुरुषों का जननांग निष्क्रिय किया जाता है, जबकि महिलाओं को ब्रह्मचर्य के पालन का संकल्प लेना होता है। कई महिलाओं को ये साबित करने में 10–12 साल भी लग जाते हैं।

जब अखाड़े के गुरु को उस महिला पर भरोसा हो जाता है, तो वो दीक्षा देते हैं। दीक्षा के बाद महिला संन्यासी को सांसारिक कपड़ा छोड़कर अखाड़े से मिला पीला या भगवा वस्त्र पहनना होता है। इन्हें माता की पदवी दी जाती है।

## एनडीआरएफ की तत्परता ने बचाई पांच जिंदगिया

प्रयागराज। तीर्थराज प्रयागराज में प्रतिदिन देश और विदेश के विभिन्न क्षेत्रों से लाखों श्रद्धालु त्रिवेणी संगम में आस्था और विश्वास की डुबकी लगा कर देश की धार्मिक और सांस्कृतिक धरोहरों को आत्मसात कर रहे है। इन सभी आए हुए श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुविधा दोनों को सुनिश्चित करने के लिए एनडीआरएफ की टीमें दिन– रात उप महानिरीक्षक मनोज कुमार शर्मा के दिशा निर्देश में महाकुंभ के संपूर्ण जल क्षेत्र तथा सभी स्नान घाटों की निगरानी में लगी हुई है। किसी भी आपात स्थिति में उनकी हर संभव मदद भी कर रही है।

तेज बहाव की वजह से बेकाबू होकर डूबने लगी नाव आज एनडीआरएफ टीमों की तत्परता, और कार्य कुशलता ने त्रिवेणी संगम क्षेत्र में स्नान करने आए झारखंड के एक ही परिवार के पांच लोगों के जीवन को बचाने का काम किया। दुर्घटना उस समय हुई जब उस परिवार की नाव गहरे पानी में तेज बहाव की वजह से बेकाबू होकर डूबने लगी।

एनडीआरएफ की टीम ने बचाई जान मौके पर ही एनडीआरएफ की टीम पानी में गश्त लगा रही थी, बचाव कार्मिकों ने संकटग्रस्त परिवार की बचाव पुकार को सुनते ही बिना समय गंवाए अपने कर्तव्य का पालन करते हुए तत्काल गहरे पानी में फंसी नाव के पास पहुंच कर सभी फंसे हुए लोगों को उस नाव से बाहर निकाला। अपनी नाव से सुरक्षित स्थान पर ले आए।

एनडीआरएफ द्वारा किए गए इस त्वरित और अत्यंत प्रभावकारी बचाव अभियान ने एक ही परिवार के सभी लोगों के अमूल्य जीवन को बचा कर अपने श्आपदा सेवा सदैव सर्वत्रश के वचन की चरितार्थ किया है।

## महाकुंभ 2025 को लेकर सुरक्षा कड़ी

प्रयागराज। प्रयागराज में आगामी महाकुंभ 2025 की तैयारियों को लेकर पुलिस प्रशासन पूरी तरह सतर्क है। कौंधियारा थाना पुलिस ने सड़वा नहर पुलिया पर विशेष चेकिंग अभियान शुरू किया है, जहां 24 घंटे पुलिस तैनात रहकर आने–जाने वाले वाहनों और श्रद्धालुओं की जांच कर रही है।

सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए पुलिस द्वारा बेरियर लगाकर सभी वाहनों की गहन जांच की जा रही है। इस दौरान संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों पर विशेष नजर रखी जा रही है, ताकि कोई अराजक तत्व मेले की शांति भंग न कर सके।

पुलिस का विशेष ध्यान बड़े वाहनों के आवागमन पर है, जिससे मेला क्षेत्र में जाम की स्थिति न बने। साथ ही, दूसरे प्रदेशों से आने वाले श्रद्धालुओं को मार्गदर्शन भी प्रदान किया जा रहा है। श्रद्धालुओं ने पुलिस की इस पहल की सराहना करते हुए आभार व्यक्त किया है।

यह व्यवस्था हिंदू संस्कृति के इस महापर्व को सकुशल और शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराने के लिए की गई है। पुलिस का मुख्य उद्देश्य श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की असुविधा से बचाना और मेले की सुरक्षा सुनिश्चित करना है।

## प्रयागराज में प्रेमी और प्रेमिका दो दिन से गायब

प्रयागराज। प्रयागराज के उतराव थाना क्षेत्र में एक प्रेम प्रसंग ने तूल पकड़ लिया है। हंडिया स्थित एक निजी नर्सिंग होम में काम करने वाली एक युवती और उसका सहकर्मी युवक दो दिन पहले घर से फरार हो गए थे। दोनों अलग–अलग जातियों से हैं और परिवार वालों की मनाही के बावजूद शादी करना चाहते हैं। युवती की मां ने थाना उतराव में हंडिया के परमानंद गांव निवासी युवक के खिलाफ अपहरण का मुकदमा दर्ज कराया है।


महाकुम्भ मेला 2025

दिनांक 20.01.2025 को चलने वाली मेला विशेष रेलगाड़ियों की सूची

भारतीय रेल द्वारा मेले में आने वाले अपने सम्मानित श्रद्धालुओं/रेल यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुये विभिन्न मेला विशेष रेलगाड़ियों के संचालन की व्यवस्था की गयी है। इसी क्रम में समय–सारणीबद्ध निम्न रिंग रेल सेवा सहित आरक्षित, अनारक्षित मेला विशेष रेलगाड़ियों का संचालन किया जा रहा है, इसके अतिरिक्त अन्य मेला विशेष रेलगाड़ियों का संचालन आवश्यकतानुसार किया जायेगा। दिनांक 20.01.2025 को चलने वाली समय–सारणीबद्ध मेला विशेष रेलगाड़ियों का विवरण निम्नवत् है:–

| गाड़ी सं. | स्टेशन से | प्रस्थान का समय | स्टेशन तक | आगमन का समय | संचलन की तिथि | मार्ग के अन्य स्टेशनों पर ठहराव |
|---|---|---|---|---|---|---|
| अनारक्षित रिंग रेल सेवा रेलगाड़ियों की सूची | | | | | | |
| 04109 | गोविन्दपुरी | 15:45 | गोविन्दपुरी | 07:00 | 20.01.2025 (सोमवार) | बिन्दकी रोड, फतेहपुर, खागा, सिराथू, भरवारी, प्रयागराज जं., नैनी जं., शंकरगढ़, बरगढ़, डभौरा, मानिकपुर, चित्रकूट धाम कर्वी, अतर्रा, बाँदा, रागौल, भरवा सुमेरपुर, हमीरपुर रोड, घाटमपुर एवं भीमसेन |
| 04110 | गोविन्दपुरी | 07:30 | गोविन्दपुरी | 21:30 | | |
| 04111 | प्रयागराज जं. | 06:00 | प्रयागराज जं. | 18:50 | 20.01.2025 (सोमवार) | प्रयागराज रामबाग, झूँसी, हड़िया खास, ज्ञानपुर रोड, माधोसिंह, बनारस, भदोही, जंघई, मड़ियाहू, ज़फराबाद, जौनपुर, शाहगंज, अकबरपुर, गोसाईगंज, अयोध्या, अयोध्या कैंट, सुल्तानपुर, माँ बेल्हा देवी धाम, प्रतापगढ़, मऊआइमा, फाफामऊ एवं प्रयाग |
| 04112 | प्रयागराज जं. | 06:30 | प्रयागराज जं. | 21:00 | | |
| 04113 | प्रयागराज जं. | 17:30 | प्रयागराज जं. | 07:45 | | |
| 04114 | प्रयागराज जं. | 17:45 | प्रयागराज जं. | 08:00 | | |
| 01803 | वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी | 12:00 | वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी | 09:00 | 20.01.2025 (सोमवार) | चिरगाँव, मोठ, ऐट, उरई, कालपी, पुखरायां, भीमसेन, बिन्दकी रोड, फतेहपुर, खागा, सिराथू, भरवारी, प्रयागराज जं., नैनी जं., शंकरगढ़, बरगढ़, डभौरा, मानिकपुर, चित्रकूट धाम कर्वी, अतर्रा, बाँदा, महोबा, कुलपहाड़, हरपालपुर, मऊरानीपुर, निवाड़ी एवं ओरछा |
| 01804 | | 20:10 | | 16:30 | | |
| उत्तर मध्य रेलवे से चलने/गुजरने वाली आरक्षित मेला विशेष रेलगाड़ियों की सूची | | | | | | |
| 04153 | कानपुर सेंट्रल | 14:00 | भागलपुर | 09:15 | 20.01.2025 (सोमवार) | फतेहपुर, प्रयागराज जं. एवं मिर्ज़ापुर |
| 07379 | हुब्बल्लि | 00:45 | टूण्डला | 02:30 | 20.01.2025 (सोमवार) | मानिकपुर, प्रयागराज जं., फतेहपुर, गोविन्दपुरी एवं इटावा |
| 08068 | टूण्डला | 16:20 | राँची | 15:50 | 20.01.2025 (सोमवार) | मिर्ज़ापुर, प्रयागराज जं., फतेहपुर, गोविन्दपुरी एवं इटावा |
| 08417 | पुरी | 12:30 | टूण्डला | 20:15 | | |
| 03021 | हावड़ा | 19:35 | टूण्डला | 19:20 | | |
| 03023 | हावड़ा | 00:30 | टूण्डला | 02:30 | | |
| 09017 | वापी | 08:20 | गया | 19:00 | 20.01.2025 (सोमवार) | मानिकपुर, प्रयागराज छिवकी, मिर्ज़ापुर एवं चुनार |
| 01661 | रानी कमलापती | 11:10 | बनारस | 10:15 | | |
| 06005 | कन्याकुमारी | 20:30 | गया | 01:30 | | |
| 09422 | बनारस | 19:30 | साबरमती | 01:25 | 20.01.2025 (सोमवार) | प्रयागराज जं., फतेहपुर, गोविन्दपुरी, इटावा, टूण्डला एवं आगरा फोर्ट |
| 07648 | दानापुर | 08:00 | सिकन्दराबाद | 19:00 | 20.01.2025 (सोमवार) | मानिकपुर एवं प्रयागराज छिवकी |
| 07708 | आज़मगढ़ | 19:45 | मौला अली | 07:30 | | |

नोटः- रेल यात्रियों को सुझाव दिया जाता है कि उपरोक्त रेलगाड़ियों की समय-सारणी, संरचना एवं अन्य स्टेशनों पर ठहराव से संबंधित जानकारी हेतु हेल्पलाइन 139, एनटीईएस ऐप एवं रेल मदद वेबसाइट www.railmadad.indianrailways.gov.in के माध्यम से अद्यतन जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

महाकुम्भ 2025 रेलवे टोल फ्री नं0 1800 4199 139 उत्तर मध्य रेलवे

@CPRONCR North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in 126/25 (A)


## मौनी अमावस्या के लिए 17 नए पुलिस अधिकारी तैनात

### एक दिन में 10 करोड़ की भीड़ संभालनी होगी, 28 फरवरी तक निषेधाज्ञा लागू

प्रयागराज। महाकुंभ में सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के लिए 17 पुलिस अधिकारियों की नई तैनाती की गई है। मौनी अमावस्या के मुख्य स्नान पर्व पर लगभग 10 करोड़ श्रद्धालुओं और पर्यटकों के आने की उम्मीद है, जिससे पुलिस अधिकारियों के लिए सुरक्षा, यातायात और भीड़ प्रबंधन एक बड़ी चुनौती है।

इसलिए अनुभवी अधिकारियों को यहां भेजा गया है, जिसमें साइबर मुख्यालय लखनऊ के साइबर एक्सपर्ट एडिशनल एसपी श्वेताभ पांडेय, गाजियाबाद के पीयूष सिंह और गौतम बुद्धनगर के सुधीर कुमार शामिल हैं।



अजय विक्रम सिंह



संगम क्षेत्र को तीन जोन में बांटा बिजनौर से डिप्टी एसपी अंजनी चतुर्वेदी, आजमगढ़ से अजय विक्रम सिंह, गौरव शर्मा, मुजफ्फरनगर से यतेंद्र सिंह, बाराबंकी से सुमित त्रिपाठी, बहराइच से रवि खोखर, लखीमपुर खीरी से रमेश तिवारी, सिद्धार्थनगर से सुबेंदु सिंह, यूपी–112 मुख्यालय से राहुल पांडेय, लखनऊ से विकास पांडेय, एटा से अमित राय, हरदोई से रविप्रकाश, आजमगढ़ से तारकेश्वर पांडेय और 43वीं वाहिनी एटा से उपसेनानायक कमल किशोर को भी तैनात किया गया है। अधिकारियों ने बताया कि मौनी अमावस्या के लिए संगम क्षेत्र में व्यवस्था को तीन जोनों में बांटकर किया जा रहा है।

28 फरवरी तक निषेधाज्ञा लागू, जानें पाबंदियां प्रयागराज कमिश्नरेट ने 28 फरवरी तक पूरे जिले प्रयागराज और महाकुंभ नगर में निषेधाज्ञा लागू की है, जिसका उद्देश्य महाकुंभ, गणतंत्र दिवस, मौनी अमावस्या और अन्य त्योहारों के दौरान कानून–व्यवस्था बनाए रखना है।

आदेश के तहत जुलूस, विरोध प्रदर्शन, ड्रोन का उपयोग, हथियार, भड़काऊ भाषण और सोशल मीडिया पर अफवाह फैलाने पर पाबंदी है। नियमों के उल्लंघन पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। किसी भी आयोजन, जुलूस या धरना बिना अनुमति नहीं होगा। दिव्यांगों और बुजुर्गों के लिए सहारे के लाठी–डंडे और सिख समुदाय की कृपाण को छूट दी गई है।

## महाकुंभ पहुंचे पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद

### स्वामी अवधेशानंद के शिविर में 6 दिन रहेंगे, दिव्य प्रेम सेवा मिशन की संगोष्ठी में आज शामिल होंगे

प्रयागराज। देश के पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद 6 दिनों के लिए कुंभनगरी प्रयागराज पहुंचे हैं। वह



यहां परिवार के साथ रहेंगे। संगम स्नान के साथ कई कार्यक्रमों में भी हिस्सा लेंगे। शनिवार को ही वह सपरिवार प्रभु प्रेमी संघ शिविर में पहुंच गए थे। आगमन पर जूनापीठाधीश्वर आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानंद गिरि जी महाराज सहित आश्रम के अंतरूवासियों ने उनका स्वागत किया।

वह 23 जनवरी तक अवधेशानंद गिरि के ही शिविर में निवास करेंगे। संगम स्नान, आध्यात्मिक अनुष्ठानों में सहभागिता के अतिरिक्त अलग अलग वैचारिक संवाद कार्यक्रमों के माध्यम से सभी को संबोधित भी करेंगे।

मुख्य अतिथि के रूप में करेंगे संबोधन

आज रविवार को दिव्य प्रेम सेवा मिशन, हरिद्वार की ओर से आयोजित होने वाले व्याख्यान में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। दरअसल, सेक्टर 6 में स्थित नागवासुकि मंदिर के सामने बजरंग दास मार्ग पर स्थित दिव्य प्रेम सेवा मिशन, सेवा साधना शिविर में व्याख्यान होगा। इसका विषय "वन नेशन वन इलेक्शन– आर्थिक, राजनीतिक, चुनाव सुधार एवं विकसित भारत" रखा गया है। इस कार्यक्रम में न्यायमूर्ति विनीत सरन व डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य भी शामिल होंगे। सीएम योगी ने पूर्व राष्ट्रपति को दिया था महाकुंभ का निमंत्रण पिछले दिनों यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ दिल्ली जाकर पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद व अमित शाह व अन्य बड़े नेताओं को महाकुंभ में आने का निमंत्रण दिया था। इसके बाद पूर्व राष्ट्रपति महाकुंभ पहुंच हैं। इसी क्रम में पूर्व राष्ट्रपति 23 जनवरी तक के लिए प्रयागराज के महाकुंभ में आ रहे हैं।

## कोहरे के बीच रविवार को भी उमड़ी भीड़

प्रयागराज। प्रयागराज में चल रहे महाकुंभ में रविवार को छुट्ट्टी का दिन होने के कारण सुबह से ही लोगों की भीड़ उमड़ने लगी है। हालत यह रही कि सुबह आठ बजे तक 17 लाख लोगों ने पावन संगम के जल में पुण्य की डुबकी लगाई। ऐसे में अनुमान है कि शाम तक महाकुंभ में करीब पचास लाख लोग स्नान कर सकते हैं। उधर लोगों की मेला की तरफ बढ़ रही भारी भीड़ के कारण मेला की तरफ जाने वाले मार्गों पर सुबह से ही जाम की स्थिति बनने लगी। कोहरे के कारण शहर में प्रवेश वाले मार्गों पर भी कोहरा और भीड़ के कारण जाम लगा रहा। महाकुंभ में आम लोगों के आने के साथ ही वीवीआईपी मूवमेंट भी लगातार बना हुआ है। रविवार को सीएम योगी आदित्यनाथ भी प्रयागराज पहुंच रहे हैं। इसके अलावा पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद, राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा, केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्ट्टर समेत अन्य कई वीआईपी भी मेले में पहुंचे हैं। इसको देखते हुए शहर के कई मार्गों पर रूट डायवर्जन की व्यवस्था लागू हैं। ऐसे में कई मार्गों पर सुबह से ही जाम के हालत बनी हुई है। इसके अलावा रविवार पर छुट्टी का दिन होने के कारण भी शहर के लोगों की भीड़ भी मेला की तरफ बढ़ रही है। इसके कारण भी जाम की स्थिति बनी है।


सम्पादक
सिद्धनाथ द्विवेदी
प्रबन्धक निदेशक
दीपक जयसवाल
सम्पादकीय कार्यालय
11ई/2, ताशकंद मार्ग, सिविल लाइन्स, इलाहाबाद

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के आधीन होगा।



स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक सिद्धनाथ द्विवेदी द्वारा काम्पीटेंट बिजनेस सर्विसेज विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित एवं 399 कृष्णानगर कीडगंज से प्रकाशित।
सम्पादक–सिद्धनाथ द्विवेदी, आरएनआई नं. UPHIN/2007/22706 रजि.नं. AD-32/2008-09 ईमेलः amritkt.alld@gmail.com फोन नं. : 9453273951, 8799627062